Jan. 2026

SRMS Trust Bulletin

आयाम

37वें स्मृति दिवस का आयोजन
- PAGE 04

मेडिकल कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया 11वां दीक्षांत समारोह
- PAGE 08

- सेनानी श्रीराम मूर्ति जी ने लिया समाज सेवा का संकल्प – PAGE 03
- देहदान का संकल्प लेने वाले दधीचि हुए सम्मानित – PAGE 12
- एसआरएमएस में कूच बिहार टूर्नामेंट के तीसरे मैच का सफल आयोजन – PAGE 14
- आयुष्मान भारत योजना में एसआरएमएस ने किया मरीजों का बेहतर इलाज – PAGE 17
- सीईटी बरेली में जेस्ट 2025 'एकतत्वम्' का शानदार आयोजन – PAGE 20
- एसआरएमएस ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'रिश्तों की सीमा रेखाएं' – PAGE 42

SRMS

Shri Ram Murti Smarak Institute of Allied & Healthcare Sciences, Bareilly

CODE: 2430299

Approved by U.P. State Medical Faculty, Lucknow
& Affiliated to Atal Bihari Vajpayee Medical University, Lucknow

BEHIND EVERY DIAGNOSIS, THERE IS A ALLIED AND HEALTHCARE EXPERT

ADMISSIONS OPEN 2026-27

Post Graduate Courses (Master Degree)

- Physiotherapy • Operation Theatre Technology
- Optometry • Medical Radiology & Imaging Technology
- Medical Laboratory Sciences

Under Graduate Courses (Bachelor Degree)

- Physiotherapy • Operation Theatre Technology
- Optometry • Medical Radiology & Imaging Technology
- Medical Laboratory Sciences

Diploma Courses

- Blood Transfusion (Blood Bank Technician)
- Dialysis Technician

For admission, enquiry call -
9458702134, 9458701111

Know more

30 YEARS of Academic Excellence

Training in NABH Accredited 1200 Beds SRMS Multi Super Speciality, Tertiary Care & Trauma Hospital

Qualification: Candidates with PCB/PCM in 10+2 are eligible

Mandatory Registration at **www.abvmuup.edu.in** | Last date: **5th June 2026**

SCHOLARSHIPS & BENEFITS

Annual Academic Scholarship Worth ₹ 3.5 Crores	FREE SEATS No Tuition Fee for full course##	95% Placement	Career Guidance for Overseas & Govt. Jobs	Excellent Academic Results

13 Km., Bareilly-Nainital Road, Bhojipura, Bareilly (U.P.)

www.srms.ac.in/alliedandhealthcare | ips@srms.ac.in

कूच बिहार ट्राफी के तीसरे मैच संग बढ़ी उपलब्धियों की सूची

पिछले कुछ माह एसआरएमएस ट्रस्ट की उपलब्धियों की सूची को और भी बढ़ाने वाले रहे। इनमें ट्रस्ट ने अपने प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री श्रीराम मूर्ति जी को 37वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पीजीआई चंडीगढ़ के प्रसिद्ध सर्जन डा. एसएम बोस, इंदिरा कला संगीत विवि की कुलपति प्रो. लवली शर्मा, डा. नीलम गुप्ता सहित पांच लोगों को श्रीराम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण प्रदान किया। मेडिकल कॉलेज और पैरामेडिकल साइंसेज ने 12वां दीक्षांत समारोह मनाया। जिसमें 427 विद्यार्थियों ने डिग्रियां हासिल कीं। इसमें ओवरआल टापर रहने वाली रेडिएशन ओंकोलाजी में एमडी की छात्रा डा. संयमिता और एमबीबीएस के छात्र डा.करण कालरा को श्रीराम मूर्ति गोल्ड मेडल के साथ 51 हजार की राशि दी गई। बरेली में बी.सी.सी.आई. की कूच बिहार ट्राफी के तीसरे मैच के आयोजन की जिम्मेदारी भी एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम को मिली। ट्रस्ट ने फिर से इसका भव्य आयोजन कर क्रिकेट प्रेमियों के साथ उ.प्र. और बंगाल के खिलाड़ियों का भी दिल जीता। उपलब्धियों के लिए ट्रस्ट परिवार को शुभकामनाएं...

-जयहिंद

अमृत कलश

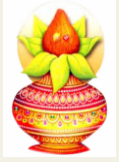

''आपका खुश रहना ही आपका बुरा चाहने वालों को सबसे बड़ी सजा है''

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	-	Editor
Ashish Arora	-	Photographer
Dharmendra	-	Photographer
Yasmeen Khan	-	Designer
Ruchi Sharma	-	(Co-Ordinator, CET)
Vineet Sharma	-	(Co-Ordinator, IMS)
Dr. Tanmay Pant	-	(Co-Ordinator, IBS)

कवर पेज: रिद्धिमा में बच्चों ने किया प्रदर्शन

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura
Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

गांधी जी को आदर्श मान समाज सेवा का लिया संकल्प

हमारे प्रेरणा स्रोत
स्व. श्रीराम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

बचपन से ही राम मूर्ति जी को अंग्रेजों के अत्याचारों की बातें सुनने को मिलती थीं। जैसे जैसे वह बड़े हुए अंग्रेजों के जुल्म को उन्होंने भी देखा। पराधीन भारत में कैसे इसे रोका जाए राम मूर्ति जी अक्सर इसी सवाल पर मंथन करते रहते थे। यही वह समय था जब मोहनदास कर्मचंद गांधी का स्वतंत्रता संग्राम में प्रादुर्भाव हुआ। राम मूर्ति जी ने भी गांधी जी के विषय में पढ़ा। इससे उनकी समाज उत्थान और देशभक्ति की भावना और भी मजबूत हुई। गांधी जी के अहिंसा के शस्त्र के सामने अंग्रेजों की सेनाओं को नतमस्तक होते देखा। दक्षिण अफ्रीका में रेलवे स्टेशन पर गांधी जी से किए अमानवीय व्यवहार की घटना को राम मूर्ति जी बार बार पढ़ते थे और गांधी जी द्वारा लिए गए अंग्रेजों को देश से खदेड़ने के संकल्प को दोहराते थे। यही वजह रही कि उन्होंने गांधी जी को अपना आदर्श बनाया और उनके अहिंसा के शस्त्र को अपना कर अपना जीवन देश और समाज सेवा को समर्पित कर दिया। अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी के आंदोलन की मशाल वह देश के आजाद होने तक उठाए रहे। साथ ही किसान और मजदूरों का जीवन स्तर उठाने के लिए उन्हें शिक्षित करने में मदद के लिए भी हमेशा आगे रहे।

कृषि प्रदर्शनी के दौरान मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी लेते स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मंत्री श्रीराम मूर्ति जी। (फोटो एसआरएमएस अकाईब)

-श्रद्धांजलि

Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

Values

Integrity **Excellence**
Fairness **Innovativeness**

Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students - Our Assets.
- Our Staff - Our Means.

स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति के 37वें स्मृति दिवस पर प्रतिभाओं का सम्मान, छात्रवृत्ति वितरण

पांच विशिष्ट जनों को राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण

सर्जन डा. (प्रो.) बोस, शिक्षाविद प्रो. लवली, डा.नीलम गुप्ता, मनीष और कर्णव सम्मानित

स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति जी की 37वीं पुण्यतिथि पर नाटक संग्रह अंत: स्मरण और द्वंद का विमोचन करते अतिथिगण

- ट्रस्ट के शैक्षणिक संस्थाओं के 216 मेधावी विद्यार्थियों को 3.5 करोड़ की छात्रवृत्ति का वितरण
- एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित नाटक संग्रह अंत: स्मरण और द्वंद का किया गया विमोचन
- कहानी 'मत बाधों इनको जंजीरो में' के लिए विशाल को प्रथम पुरस्कार के साथ 11 हजार रुपये
- कहानी प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों और वाद विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार
- श्रद्धांजलि दिवस के अवसर पर दो दिवसीय रक्तदान कैंप में 109 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

बरेली: दो अक्टूबर 2025 को श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट परिवार के प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति का 37वां स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने अपने पिता स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति की स्मृति में पीजीआई चंडीगढ़ के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष सर्जरी प्रो. एसएम बोस, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ (छत्तीसगढ) की कुलपति प्रो. लवली शर्मा, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता, आजीविका संवर्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और नवीकरण ऊर्जा के क्षेत्रों में सक्रिय संस्था एआरओएच की संस्थापक एवं अध्यक्ष डा. नीलम गुप्ता, रिस्क एंड काम्पलाइनसेज (इंजीनियरिंग सर्विसेज) इनफोसिस लिमिटेड के हेड मनीष कुमार और युवा जलवायु परिवर्तन नायक कर्णव रस्तोगी को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण से सम्मानित किया। अखिल भारतीय कहानी प्रतियोगिता में विशाल पाण्डेय की कहानी 'मत बाधों इनको जंजीरो में' को प्रथम पुरस्कार हासिल हुआ। इसके लिए विशाल को 11 हजार रूपये एवं प्रमाण पत्र दिया गया। इसी के साथ एसआरएमएस ट्रस्ट के शैक्षिक संस्थानों में अध्ययनरत 216 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 3.5 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की। विद्यार्थियों को 20 हजार से लेकर 2 लाख तक की छात्रवृत्ति बांटी गई। अतिथियों ने एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित नाटक संग्रह अंत: स्मरण और द्वंद का भी विमोचन किया। श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के सभी महाविद्यालयों (सीईटी, सीईटीआर, आईएमएस और रिद्धिमा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिन (2 अक्टूबर 2025) पर उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए और राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद श्रीराम मूर्ति जी की 37वीं पुण्यतिथि पर भी श्रद्धासुमन अर्पित कर सभी ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी स्थित शतिक प्रेक्षागृह में हुआ। इसमें श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने अपने पूज्य पिता जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और सभी का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उन्होंने ट्रस्ट की स्थापना, इसके द्वारा संचालित संस्थाओं और किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी दी और छात्रवृत्ति के संबंध में बताया। कहा कि ट्रस्ट की स्थापना के साथ ही 1990 में छात्रवृत्ति देना आरंभ किया गया। पहले वर्ष 11 विद्यार्थियों को 21,000 रुपये छात्रवृत्ति में दिए गए। यह राशि आज 3.5 करोड़ रुपये पहुंच गई है। देवमूर्ति जी ने ट्रस्ट के शैक्षणिक संस्थानों द्वारा की जा रही रिसर्च के साथ मेडिकल कालेज द्वारा संचालित जनहित की विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने आईसीयू में 21 दिन से ज्यादा भर्ती मरीजों से आईसीयू और नर्सिंग चार्ज न लिए जाने का भी जिक्र किया और तीमारदारों को मात्र 12 रुपये में भोजन कराने की भी बात कही। कार्यक्रम के अन्त में ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति जी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157 जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को याद किया और स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति जी के 37वें स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि प्रकट की। उन्होंने स्मृति दिवस समारोह में आये सभी गणमान्य सदस्यों, छात्र/छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को धन्यवाद प्रेषित किया। श्रद्धांजलि समारोह कार्यक्रम का संचालन डा. अनुज कुमार ने किया।

श्रद्धांजलि

इन्हें मिला राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण

प्रो. (डॉ.) शशांक मोहन बोस

प्रोफेसर (डा.) शशांक मोहन बोस, वरिष्ठ प्राध्यापक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष सर्जरी पी0जी0आई0, चण्डीगढ़ ने 55 वर्षो से अपने कैंसर जागरूकता, स्वास्थ्य शिक्षा, सामाजिक गतिविधियां और युवा सर्जनों का मार्ग दर्शन करने का अविस्मरणीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है। डा.बोस को राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण, अंगवस्त्र के साथ एक लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया।

प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा

प्रोफेसर (डा.) लवली शर्मा, कुलपति, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ छत्तीसगढ़ को 40 वर्षो से आपने अपनी संगीत विद्या के माध्यम से उपचार, कैदियों के पूनर्वास और सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में अविस्मरणीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है। डा. शर्मा को राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण, अंगवस्त्र के साथ 51 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया।

डॉ. नीलम गुप्ता

डा नीलम गुप्ता, संस्थापक एवं अध्यक्ष आरोह फाउंडेशन को 30 वर्षो से आपने अपने दूरदर्शी संकल्प से आशा और परिवर्तन की ज्योति प्रज्वलित की है। आपने समाज सेवा एवं शिखा को ध्येय बनाकर लाखों महिलाओं के सशक्तिकरण एवं हजारो गांव के पुनस्थान का अविस्मरणीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है। डा. नीलम को राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण, अंगवस्त्र के साथ 51 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया।

कर्णव रस्तोगी

कर्णव रस्तोगी, युवा जलवायु परिवर्तन नायक ने 5 वर्षो से युवा जलवायु परिवर्तन नायक की अहम भूमिका का निर्वहन करते हुये र्प्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अविस्मरणीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है। कर्णव को राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण, अंगवस्त्र के साथ 25 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया।

मनीष कुमार

मनीष कुमार, हैड-रिस्क एण्ड काम्पलाइनसेज (इंजी0 सर्विसेज) इनफोसि लिमिटेड, विगत 20 वर्षो से अपने आडिट और अनुपालन मानको के तहत कड़ी निगरानी रखते हुये डाटा प्राइवेसी, सिक्योरिटी और इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी के माध्यम से समाज की सुरक्षा पारदर्शिता और विश्वास को मजबूत करने का अविस्मरणीय कार्य किया है। एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज के पूर्व छात्र रहे मनीष को राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण, अंगवस्त्र के साथ 51 हजार रुपये का चेक प्रदान किया।

स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति जी की 37वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह को सम्बोधित करते देवमूर्ति जी

अखिल भारतीय कहानी प्रतियोगिता

कहानी 'मत बाधों इनको जंजीरो में' को प्रथम पुरस्कार

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कहानी प्रतियोगिता में विभिन्न प्रदेशों के 82 कहानीकारों ने हिस्सा लिया। इसमें विशाल पाण्डेय की कहानी 'मत बाधों इनको जंजीरो में' को प्रथम पुरस्कार हासिल हुआ। इसके लिए विशाल को 11,000 रूपये एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सौम्या नैन बिश्नोई को कहानी 'मन का बगीचा-सरिता की कहानी' के लिए द्वितीय पुरस्कार के रूप में 7500 रुपये एवं प्रमाण पत्र, निशान्त कुमार को कहानी 'अधूरा चित्र' के लिए तृतीय पुरस्कार के रूप में 5100 रुपये एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कहानी प्रतियोगिता में आदित्य कुमार गौतम की कहानी 'जिजीविषा' एवं आंचल सिंह की कहानी 'वाराणसी की परछाइया: एक मौन चीख' को सांत्वना पुरस्कार मिला। इसके लिए दोनों को 2500- 2500 रुपये एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

विशाल पाण्डेय को मिला प्रथम पुरस्कार

109 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिन और स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री श्रीराम मूर्ति जी के 37वें स्मृति दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ब्लड बैंक की ओर से दो दिवसीय रक्तदान कैंप आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों और स्टाफ ने रक्तदान किया। इसकी मदद से 109 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। पहले दिन पहली अक्टूबर को एसआरएमएस ब्लड बैंक में रक्तदान कैंप लगा। इसमें 87 लोगों ने रक्तदान किया। दूसरे दिन दो अक्टूबर को एसआरएमएस सीईटी में रक्तदान कैंप लगा। इसमें 22 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। इस मौके पर विभागाध्यक्ष डा.मिलन जायसवाल, डा. आकृति बैजल, डा.उज्ज्वल आहूजा, डा.निहारिका शर्मा, डा.प्रेरणा कौशिक मौजूद रहे।

वाद विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मान

द गुरू स्कूल और महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विवि को चल वैजयंती

कनिष्ठ वर्ग में 'द गुरू' स्कूल को मिली चल वैजयंती

वरिष्ठ वर्ग में 'एसआरएमएस सीईटी' को चल वैजयंती

श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की 36वीं वाद-विवाद प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग और वरिष्ठ वर्ग में चल वैजयंती द गुरु स्कूल और महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विवि को प्रदान की गई। 'सोशल मीडिया के प्रयोग की न्यूनतम आयु सीमा होनी चाहिए' विषय पर कनिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिता पिछले माह 13 सितंबर को आयोजित हुई। इसमें बरेली के 20 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें चल वैजयंती द गुरू स्कूल बरेली को प्रदान की गई। जबकि विषय के पक्ष में संभाषण के लिए अथर्व अग्रवाल (एसआर इन्टरनेशनल स्कूल, बरेली) और विषय के विपक्ष में संभाषण के लिए कतिका गंगवार (द गुरू स्कूल, बरेली) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। वरिष्ठ वर्ग की वाद विवाद प्रतियोगिता 20 सितंबर को आयोजित हुई। 'भौतिक वादी दौड़ में मानवीय मूल्यों का ह्रास' विषय पर बरेली के 20 महाविद्यालयों ने विद्यार्थियों ने संभाषण किया। इसमें विषय के पक्ष में संभाषण के लिए अभय सिंह (केसीएमटी, बरेली) और विषय के विपक्ष में संभाषण के लिए राहुल भट्ट (एसआरएमएस सीईटी) को प्रथम स्थान हासिल हुआ। प्रतियोगिता में पक्ष और विपक्ष दोनों में स्थान हासिल करने के लिए चल वैजयंती महात्मा ज्योतिवाफुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली ने हासिल की। दोनों टीमों को स्मृति दिवस पर चल वैजयंती प्रदान की गई।

श्रद्धांजलि समारोह में गणमान्य लोग रहे मौजूद: श्रद्धांजलि समारोह में प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री डा.अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल गंगवार, विधायक बिधरी चौनपुर डा.राघवेंद्र शर्मा, विधायक मीरगंज डा.डीसी वर्मा, विधायक भोजीपुरा शहजिल इस्लाम, पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार, ब्लाक प्रमुख भोजीपुरा योगेश पटेल, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा, अशोक गोयल, गुरु मेहरोत्रा, बरेली कालेज के प्राचार्य डा.ओपी राय, चीफ प्राक्टर डा.वंदना शर्मा, ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, उषा गुप्ता, ऋचा मूर्ति जी, श्यामल गुप्ता जी, अंबिका मूर्ति जी, देविशा मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, सदस्य बोर्ड आफ गर्वनर, श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के प्राचार्य प्रो. प्रभाकर गुप्ता, श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीटयूट आफ मेडिकल साइंसेज की प्राचार्य डा. मुथ्थू महेश्वरी, श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्य डा. जसप्रीत कौर, श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग, टेक्नोलाजी एंड रिसर्च के डीन डा. शैलेश सक्सेना, डीन फार्मेसी डा. अमित कुमार शर्मा, डा. सौरभ गुप्ता डीन स्टूडेन्ट वैलफियर, चीफ प्राक्टर ई0 विवेक यादव तथा सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष आदि ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

SCHOLARSHIP - 30000/ Rs and Above

1. VARNIKA AGRAWAL (MBBS Batch - 2021, IMS) -2,00,000/
2. PRADUMN AGRAWAL MBBS Batch - 2020, IMS) -1,25,000/
3. PRERNA JHA (MBBS Batch - 2022, IMS) -1,25,000/
4. SHREYA SINGH (MBBS Batch - 2023, IMS) -1,25,000/
5. SHRADDHA SAXENA (MBBS Batch - 2022, IMS) -1,00,000/
6. RADHIKA GUPTA (MBBS Batch - 2021, IMS) -1,00,000/
7. SHRADDHA SAXENA (MBBS Batch - 2022, IMS) -1,00,000/
8. SIDDHI SHARMA (MBBS Batch - 2023, IMS) -1,00,000/
9. ANUSHI SAXENA (B.TECH.-CS1, 2022, CET, Bareilly) - 87,000/
10. RIYA AGARWAL (B.TECH.-IT, 2022, CET, Bareilly) - 86,000/
11. SAMRIDHI NAGPAL (MBBS Batch - 2021, IMS) - 50,000/
12. AYUSH AGRAWAL (MBBS Batch - 2022, IMS) - 50,000/
13. ALANKRITI SHARMA (MBBS Batch - 2023, IMS) - 50,000/
14. PRIYANSHI (B.TECH.-CS1, 2022, CET, Bareilly) - 35,000/
15. NIVEDIKA SHARMA (B.TECH.-CS2, 2022, CET, Bareilly) - 35,000/
16. SANSKAR AGARWAL (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
17. DISHA BHATI (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
18. RIDDHIMA THUKRAL (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
19. RITESH KUMAR JHA (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
20. HARSHIT AGRAWAL (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
21. ANUSHKA GUPTA (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
22. CHIRAG TYAGI (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
23. GAGAN MUDGAL (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
24. KHUSHI JAISWAL (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
25. PRIYA KUMARI (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
26. ADITYA JHA (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
27. AISHWARYA PANDEY (MBBS Batch - 2021, IMS) - 30,000/
28. BANSHIKA MAHESHWARI (MBBS Batch - 2021, IMS) - 30,000/
29. SAMRIDHI SHIV RAHEJA (MBBS Batch - 2021, IMS) - 30,000/
30. DISHA DWIVEDI (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
31. NANCY AGRAWAL (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
32. DIKSHA AGGARWAL (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
33. LIZA (MBBS Batch - 2021, IMS) - 30,000/
34. MD AFNAN (MBBS Batch - 2021, IMS) - 30,000/
35. RISHAV BANSAL (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
36. DEVANSHI SAXENA (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
37. KHUSHI YADAV (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
38. RAASHI SINGH (MBBS Batch - 2021, IMS) -30,000/
39. AMAN GUPTA (MBBS Batch - 2022, IMS) -30,000/
40. KARUNA (MBBS Batch - 2022, IMS) -30,000/
41. MANYA AGARWAL (MBBS Batch - 2022, IMS) -30,000/
42. SAMARTH AGARWAL (MBBS Batch - 2022, IMS) -30,000/
43. YASHIKA (MBBS Batch - 2022, IMS) -30,000/
44. DEVESH KHANDELWAL (MBBS Batch - 2022, IMS) -30,000/
45. VANSH CHAUDHARY (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
46. PRANJAL GARG (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
47. PRANSHI DWIVEDI (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
48. KOMAL CHAND (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
49. PRASHANSA KUSHWAHA (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
50. MAHAK (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
51. GARIMA AMBANI (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
52. KHAYATI (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
53. BHOOMIKA GANDHI (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
54. PRIYANKA (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
55. ABHILASHA YADAV (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
56. UNNATI AGARWAL (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
57. SHRISTI AGARWAL (MBBS Batch - 2023, IMS) -30,000/
58. SHREYA VARSHNEY (MBBS Batch - 2023, IMS) - 30,000/
59. MUSKAN CHAUDHARY (MBBS Batch - 2023, IMS) - 30,000/
60. VAISHNAVI (BCT/MRIT, 2021, IPS) -30,000/
61. SAYAMA BEE (BMLS, 2021, IPS) -30,000/
62. KASHISH SINGH (B.TECH.-CS2, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
63. NAIMISH GUPTA (B.TECH.-CS1, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
64. SAUMYA GUPTA (B.TECH.- CS2, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/

65. RITIKA SHARMA (B.TECH.-CS1, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
66. ARUSHI SAXENA (B.TECH.-CS1, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
67.MOHD. AFZAL ANSARI (B.TECH.-CS2, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
68. GAURISHA AGARWAL (B.TECH.-CS1, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
69. PRACHI ADHIKARI (B.TECH.-CS1, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
70. PANKHI GUPTA (B.TECH.-CS2, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
71. SOUMYA WILSON (B.TECH.-CS1, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
72. SUDEEP GANGWAR (B.TECH.-CS1, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
73. KHUSHI SINGHAL (B.TECH.-CS1, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
74. GAUTAM DUA (B.TECH.-CS2, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
75. VISHAL SHARMA (B.TECH.-CS2, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
76. TANYA GUPTA (B.TECH.- EC, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
77. TANYA ABROL (B.TECH.-IT, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
78. ADNAN HUSSAIN (B.TECH.-IT, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
79. VAISHALI PANT (B.TECH.-IT, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
80. FAIZAN UR REHMAN (B.TECH.-IT, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
81. DESH DEEPAK GAUTAM (B.TECH.-IT, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
82. ADITYA GANGWAR (B.TECH.-ME, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
83. AYUSH SHARMA (B.PHARM, 2022, CET, Bareilly) - 30,000/
84. NIKITA TRIPATHI (B.TECH.-CS, 2022, CETR, Bareilly) - 30,000/
85. ABHAY TIWARI (B.TECH.-CS, 2022, CETR, Bareilly) - 30,000/
86. YASH GARG (B.TECH.-CS, 2022, CETR, Bareilly) - 30,000/
87. ANANTIKA MISHRA (B.TECH.-CS, 2022, CETR, Bareilly) - 30,000/
88. ANSHIKA MISHRA (B.TECH.-CS, 2022, CETR, Bareilly) - 30,000/
89. RIYA KUMARI (B.Sc NURSING 2nd Year-2022, BAREILLY) -30,000
90. DIPTI VERMA (B.Sc NURSING 2nd Year-2022, BAREILLY) -30,000

डीजी डा.राजीव बहल ने दिया ईमानदारी, सम्मान, प्रतिबद्धता, विनम्रता और निस्वार्थ सेवा का संदेश

डा.संयमिता, डा.करण को श्रीराम मूर्ति गोल्ड मेडल

विवि में प्रथम स्थान पर डा.शौविक, दूसरे स्थान पर रही डा. संयमिता और डा.वरुण भी सम्मानित

दीक्षांत समारोह में मैडल एवं ट्रॉफी के साथ मेधावी विद्यार्थी

- रेडिएशन ओंकोलाजी ब्रांच में डा.संयमिता को अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल विवि में दूसरा स्थान
- एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 12वें दीक्षांत समारोह में 427 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां
- छह मेधावी विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल के साथ हासिल किया 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार
- एमडी, एमएस, एमबीबीएस, पैरामेडिकल और नर्सिंग के 16 विद्यार्थियों को मिला गोल्ड मेडल
- 4 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल और 4 ही विद्यार्थियों ने हासिल किया श्रीराम मूर्ति ब्रांज मेडल
- विभिन्न विषयों में टाप करने पर एमबीबीएस 2019 -24 बैच के 25 विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र
- पैरामेडिकल की सपना, नंदिनी और महक को भी श्रीराम मूर्ति गोल्ड मेडल के साथ 11 हजार रुपये
- नर्सिंग की हिमांशी और रूपिंदर कौर को श्रीमती चंचल मेहरोत्रा गोल्ड मेडल के साथ 11 हजार रुपये

बरेली: एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेज और एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग के 12वें दीक्षांत समारोह में 4 अक्टूबर को 427 विद्यार्थियों को उपाधियां और प्रशस्ति पत्र प्रदान की गई। श्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन करने वाले मेडिकल, पैरामेडिकल और नर्सिंग के 59 विद्यार्थियों को ट्राफी के साथ सर्टिफिकेट मिले। पीजी में सर्वाधिक अंक हासिल करने पर रेडिएशन ओंकोलाजी की डा.संयमिता जैन और एमबीबीएस में सर्वाधिक अंक हासिल करने वाले 2019-2024 बैच छात्र डा.करण कालरा ओवरआल टापर चुने गए। डा.संयमिता ने एमडी रेडिएशन ओंकोलाजी ब्रांच में अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल विवि में भी दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों को श्रीराम मूर्ति गोल्ड मेडल, प्रशस्ति पत्र के साथ 51000- 51000 का नकद पुरस्कार भी दिया गया। समारोह में मुख्य अतिथि, हेल्थ रिसर्च विभाग के सेक्रेटरी एवं इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च के डीजी डा.राजीव बहल ने दीक्षांत भाषण में विद्यार्थियों को ईमानदारी, सम्मान, प्रतिबद्धता, विनम्रता और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को मजबूती से थामे रखने का संदेश दिया।

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के शतिक प्रेक्षागृह में 4 अक्टूबर 2025 को सरस्वती वंदना, संस्थान गीत के साथ 12वां दीक्षांत समारोह आरंभ हुआ। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दीक्षांत समारोह के आरंभ होने की घोषणा की। मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने विद्यार्थियों को दीक्षा दी और एनएमसी की भी शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि डा.राजीव बहल ने दीक्षांत भाषण में स्वास्थ्य क्षेत्र को महत्वपूर्ण और सम्मानित पेशा बताया और इसमें शामिल होने पर विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों को ईमानदारी का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि आज डिग्री आपके हाथ में है और यह आपकी सफलता का उत्सव है। इसमें आपके माता पिता का संघर्ष और भाई बहनों का सहयोग व भरोसा भी छिपा हुआ है। डिग्री मिलने के बाद आज पढ़ने की आपकी यात्रा समाप्त नहीं हुई, बल्कि सही मायने में आज वह आरंभ हुई है। यह पेशा जीवन भर सीखने और विनम्रता से मरीजों की सेवा का है। डा.बहल ने मानवता को सर्वाधिक महत्व देते हुए इसे चिकित्सकीय पेशे के लिए सबसे महत्वपूर्ण आदर्श बताया। कहा कि आज के बाद आपका दुनिया में प्रवेश होगा। यहां ईमानदारी, सम्मान, प्रतिबद्धता, विनम्रता और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को मजबूती से थामे रखें। इसके लिए उन्होंने टिप्स भी दिए और अपनी जड़ों को संजोने, अपने गुरुओं का सम्मान करने और प्रेम से सेवा करने का भी संदेश दिया। एसआरएमएस ट्रस्ट संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज का दिन डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों के लिए यादगार दिन है। अपने मां-बाप का सम्मान करें। जिनकी बदौलत आप यहां तक पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों को बेटे का पिता के प्रति प्यार और संकल्प को मेडिकल कालेज के जरिये समझाया। कहा कि वर्ष 1988 में जब मेरे पूज्य बाबू श्रीराम मूर्ति जी बीमार थे। बरेली में इलाज उपलब्ध न होने के चलते उन्हें दिल्ली ले जाना पड़ा। तभी उन्होंने बरेली में मेडिकल कालेज की स्थापना का संकल्प लिया, जिससे किसी भी बेटे को अपने पिता के इलाज के लिए बरेली से बाहर न ले जाना पड़े। यह सपना ही था जो संकल्प के जरिये पूरा हुआ। विद्यार्थियों को सेवा भाव से मरीज का इलाज करने का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि भगवान ने चिकित्सक को मरीज के इलाज के लिए चुना है। ऐसा करते समय डाक्टर खुद को भगवान समझ लेते हैं और मरीजों के प्रति उनका व्यवहार खराब हो जाता है। याद रहे डाक्टर भगवान नहीं है, वह भी आम इंसान ही है। ऐसे में सेवा भाव से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना ही

डीजी डा.राजीव बहल ने दिये सफलता के टिप्स

डॉ. राजीव बहल को स्मृति चिह्न देते देव मूर्ति जी

1. अपूर्णता को स्वीकार करें और आजीवन सीखने के लिए प्रतिबद्ध रहें। पूर्णता नहीं, प्रगति ही सफलता की परिभाषा है। 2. दया और करुणा का विकास करें। जहां कौशल आपके शरीर को स्वस्थ करते हैं, वहीं आपकी दयालुता हृदय को स्वस्थ करती है। 3. विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ रहें। कठिनाइयां अवश्यंभावी हैं। कठिनाइयों के प्रति आपकी प्रतिक्रिया आपके चरित्र को आकार देती है। 4. समय और रिश्तों की कद्र करें। मरीजों, सहकर्मियों, परिवार और दोस्तों के साथ हर बंधन को महत्व दें। अपने समय का बुद्धिमानी से उपयोग करें। 5. मदद मांगने और मदद करने में न झिझकें। चिकित्सा एक सामूहिक प्रयास है। विनम्रता और आपसी सहयोग आपको बहुत आगे ले जाएगा। 6. सफलता को अपनी शर्तों पर परिभाषित करें। इसे सम्मान से नहीं, बल्कि ईमानदारी, उद्देश्य और सकारात्मक प्रभाव से जाने। 7. मानवता को कभी न भूलें। हर मरीज़ सम्मान, सहानुभूति और सम्मान का हकदार है। 8. समाज को कुछ वापस दें। अपने विशेषाधिकार का उपयोग उन लोगों के उत्थान के लिए करें जो कम भाग्यशाली हैं। 9. अपने मूल्यों के प्रति सच्चे रहें। ईमानदारी, विनम्रता और नैतिकता को अपना मार्गदर्शक बनने दें। खासकर मुश्किल समय में। 10. अपने दिल और अंतर्ज्ञान का पालन करें। स्टीव जश्वब्स ने कहा था- आपका समय सीमित है, इसलिए इसे किसी और की जिंदगी जीने में बर्बाद न करें। अपने दिल और अंतर्ज्ञान का पालन करने का साहस रखें।

डॉ. संयमिता जैन, एमडी

डॉ. करन कालरा, एमबीबीएस

दिव्यांशी सिंह, आईपीएस

इससे पहले दीक्षांत समारोह के आरंभ में मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने अतिथियों के साथ विद्यार्थियों और उनके परिजनों का स्वागत किया। उन्होंने ट्रस्ट की उपलब्धियों और इसके द्वारा संचालित सामाजिक कार्यों और योजनाओं की जानकारी दी और मेडिकल कालेज की स्थापना से लेकर अब तक की उपलब्धियों को बताया। अंत में वाइस प्रिंसिपल डा.रोहित शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी का आभार जताया। दीक्षांत समारोह का संचालन डा. आयुषि शुक्ला और डा. शिवांगी मिधा ने किया। इस मौके पर नवाबगंज के विधायक डा.एमपी आर्या, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन, डा. योगेश प्रसाद, बरेली कालेज के प्राचार्य डा.ओपी राय, डा.वंदना शर्मा, कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा, एसआरएमएस के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी, ट्रस्टी आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, देविशा मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्य डा. जसप्रीत कौर, श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की प्राचार्य डा. मुत्थू महेश्वरी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा. आरपी सिंह, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, सदस्य बोर्ड आफ गर्वनर, श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के प्राचार्य प्रो. प्रभाकर गुप्ता, श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग, टेक्नोलाजी एंड रिसर्च के डीन डा. शैलेश सक्सेना, डा.निर्मल यादव, प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार, मेडिकल कालेज के डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सभी महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष व फैकल्टी मौजूद रहे।

इन विद्यार्थियों को मिला पदक, प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार

दीक्षांत समारोह में 427 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। इसमें एमडी व एमएस के 66 विद्यार्थी, एमएससी नर्सिंग के 5, एमएससी पैरामेडिकल के 36, एमबीबीएस के 99, नर्सिंग बीएससी के 106 और पैरामेडिकल के 119 विद्यार्थी शामिल रहे। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल विवि में एमडी जनरल मेडिसिन ब्रांच में पहला स्थान पाने वाले डा.शौविक दत्ता और एमडी रेस्पिरेटरी मेडिसिन में दूसरा स्थान पाने पर डा. वरुण गुप्ता को भी दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया गया। दीक्षांत में छह मेधावी विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल, प्रशस्ति पत्र के साथ 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। विभिन्न विषयों में टाप करने पर एमबीबीएस 2019- 2024 बैच के 25 विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र मिला। बीएससी नर्सिंग में सर्वाधिक अंक लाने पर हिमांशी (बैच 2019-2023) और रूपिंदर कौर (बैच 2020-2024) ने श्रीमती चंचल मेहरोत्रा गोल्ड मेडल, प्रशस्ति पत्र के साथ 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार हासिल किया। एमएससी में सर्वाधिक अंक पाने वाली पैरामेडिकल की छात्रा सपना (बैच 2020), नंदिनी तिवारी (बैच 2021) और महक नाज (बैच 2022) ने भी श्रीराम मूर्ति गोल्ड मेडल, प्रशस्ति पत्र के साथ 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार हासिल किया। बीएससी में सर्वाधिक अंक पाने वाली पैरामेडिकल के छात्र सुशील कुमार को भी श्रीराम मूर्ति गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र के साथ 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

शौविक दत्ता, एमडी

वरून गुप्ता, टॉपर

हिमांशी, आईपीएस

सुबोध गुप्ता, आईपीएस

दीक्षा शपथ

डिग्री की खुशी

दीक्षांत समारोह में उपस्थित अतिथिगण

LIST OF AWARDEES

OVERALL TOPPERS

1. **DR. SANYAMITA JAIN (M.D. RADIATION ONCOLOGY) -** Shri Ram Murti Gold Medal and cash prize of Rs 51,000/- for securing the Highest marks PG (MD/MS) Passout Batch 2021-2024.
2. **DR. KARAN KALRA (MBBS 2019-2024) -** Shri Ram Murti Gold Medal and cash prize of Rs 51,000/- for securing the Highest marks.

UNIVERSITY TOPPERS

3. **DR. SHOUVIK DATTA (M.D. GENERAL MEDICINE) -** Securing 1st position in Atal Bihari Vajpayee Medical University and awarded Gold Medal
4. **DR. SANYAMITA JAIN (M.D. RADIATION ONCOLOGY) -** Secured 2nd position in Atal Bihari Vajpayee Medical University and awarded Silver Medal
5. **DR. VARUN GUPTA (M.D. RESPIRATORY MEDICINE) -** Securing 2nd position in Atal Bihari Vajpayee Medical University and awarded Silver Medal

GOLD MEDAL AND CASH PRIZE

6. **Ms. SAPNA -** Shri Ram Murti Gold Medal and Cash Prize of Rs. 11000/ For securing Highest Marks in Postgraduate M.Sc. Paramedical (Batch 2020).
7. **Ms. NANDINI TIWARI -** Shri Ram Murti Gold Medal and Cash Prize of Rs. 11000/for securing Highest Marks in Postgraduate M.Sc. Paramedical (Batch 2021).
8. **Ms. MAHAK NAAZ -** Shri Ram Murti Gold Medal and Cash Prize of Rs. 11000/ For securing Highest Marks In Post Graduate M.Sc. Paramedical (Batch 2022).
9. **SUSHEEL KUMAR -** Shri Ram Murti Gold Medal and Cash Prize of Rs. 11000/ for securing the Highest marks. in B.Sc.CT/MRI (Paramedical Batch 2020-2023).
10. **MS. HIMANSHI -** Smt. Chanchal Malhotra Gold Medal and Cash Prize of Rs. 11000/ for securing Highest Marks in B.Sc. Nursing (Batch 2019-2023).
11. **MS. RUPINDER KAUR -** Smt. Chanchal Malhotra Gold Medal and Cash Prize of Rs. 11000/ for securing Highest Marks in B.Sc. Nursing (Batch 2020-2024)
12. **Dr. NISHTHA (MBBS 2019-2024) -** Dr. O.N. Vyas Gold Medal and Rs.5,000/- Cash Prize for securing Highest Marks in General Surgery (Orthopaedics). Honours in General Surgery and Obstetrics & Gynaecology
13. **Dr. KARAN KALRA (MBBS 2019-2024) -** Dr. Nirmal Yadav Gold Medal and Rs. 5000/- Cash Prize for securing Highest Marks in General Medicine. Honours in Biochemistry, Pathology, Pharmacology, Ophthalmology, Community Medicine and Paediatrics.
14. **Dr. AGAM AGRAWAL (MBBS 2019-2024) -** Dr. V.K. Trehan Gold Medal and Rs. 5000/- Cash Prize for securing Highest Marks in Otorhinolaryngology (ENT). Honours inBiochemistry, Ophthalmology and Otorhinolaryngology (ENT).
15. **Dr. PALLAVI GOSWAMI (MBBS 2019-2024) -** Smt. Ram Devi Yadav Gold Medal for securing Highest Attendance. Honours in Community Medicine.
16. **DR. MUGDHA AWASTHI (MD General Medicine) -** Shri Girish Prasad Gold Medal for securing Highest Marks in MD-General Medicine in Postgraduate Passout batch 2021-2024.
17. **DR. KOLLI LOKNADH (MS General Surgery) -** Shri Raghunath Prasad Gold Medal for securing Highest Marks in MS-General Surgery.
18. **DR. NAVEEN KUMAR (MD Radiodiagnosis) -** Dr. Sachin Srivastava Gold Medal for securing Highest Marks in MD- Radiodiagnosis.
19. **Dr. NAKUL GUPTA (MBBS 2019-2024) -** Er. Subhash Mehra Gold Medal for the Best All Rounder

SILVER MEDAL

20. **MS. RIYA VERMA -** Shri Ram Murti Silver Medal for securing Second Highest Marks in B.Sc. Nursing (Batch 2019-2023).
21. **MS. NAVNEET KAUR D/O MR. BALJINDER SINGH -** Shri Ram Murti Silver Medal for securing Second Highest Marks in B.Sc. Nursing (Batch 2020-2024)
22. **Ms. DEEKSHA SHARMA -** Shri Ram Murti Silver Medal for securing the Second Highest marks in B.Sc. OPTOM (Paramedical Batch 2020-2023).
23. **DR. ANJALI MISHRA (MBBS 2019-2024) -** Shri Ram Murti Silver Medal for securing the Second Highest marks.

BRONZE MEDAL

24. **DR. VANI GUPTA (MBBS 2019-2024) -** Shri Ram Murti Bronze Medal for securing the Third Highest marks.
25. **Ms. Bhawana Joshi -** Shri Ram Murti Bronze Medal for securing Third Highest Marks in B.Sc. Nursing (Batch 2019-2023).
26. **Ms. Navneet Kaur D/o Mr. Balbir Singh -** Shri Ram Murti Bronze Medal for securing Third Highest Marks in B.Sc. Nursing (Batch 2020-2024).
27. **Ms. JHALAK AGARWAL -** Shri Ram Murti Bronze Medal for securing the Third Highest marks in B.Sc. OPTOM (Paramedical Batch 2020-2023).

CERTIFICATE & APPRECIATION AWARD

28. **MS. SOUMYA SRIVASTAVA -** Certificate and Appreciation award for Best all-rounder in B.Sc. Nursing (Batch 2019-2023).
29. **MS. IRAM KHAN -** Certificate and appreciation award for out-standing Performance in Sports Activities in B.Sc. Nursing (Batch 2019-2023) & Represented National Level Basketball Player & Athlete.
30. **MS. HARNEET KAUR -** Certificate and Appreciation award for Best all-rounder in B.Sc (Batch 2020-2024).
31. **Ms. DIVYANSHI SINGH (BRIT) -** Certificate and Appreciation award for Best all-rounder in Pass out Batch 2020-2024).
32. **Mr. SUBODH GUPTA (BMLT) -** Certificate and appreciation award for out-standing Performance in Sports Activities in Pass out batch 2020-2024.
33. **Dr. LARAIB ALI KHAN (MBBS 2019-2024) -** Best Sportsman Award for outstanding performance in Sports. Honours in Biochemistry and Ophthalmology
34. **Dr. MUSKAN DHINGRA (MBBS 2019-2024) -** Special Recognition Award for Outstanding performance in Extracurricular Activities.

SUBJECT WISE TOPPERS- (MBBS 2019-2024)

35. **DR. ANJALI MISHRA -** Honours in Physiology, Pathology, Pharmacology and Ophthalmology.
36. **DR. MAHIMA KAUSHAL-** Honours in Pathology, Pharmacology, Ophthalmology and Paediatrics.
37. **DR. DEEPAKSHI VARSHNEY -** Honours in Biochemistry and Pharmacology.
38. **DR. DEEPANSHI AGGARWAL -** Honours in Physiology and Paediatrics.
39. **DR. KHUSHI AGARWAL-** Honours in Biochemistry and Pathology.
40. **DR. MANTHAN SAXENA -** Honours in Biochemistry and Ophthalmology.
41. **DR. MEHREEN GHAYAS -** Honours in Pathology and Paediatrics.
42. **DR. VANI GUPTA -** Honours in Pathology and Pharmacology.
43. **DR. YASHA AGARWAL -** Honours in Pharmacology and Ophthalmology.
44. **DR. AAYUSHI KHURANA -** Honours in Physiology.
45. **DR. SHREYA KHANDELWAL-** Honours in Pharmacology.
46. **DR. ANAM AFREEN -** Honours in Ophthalmology
47. **DR. ANKITA JANGID -** Honours in Ophthalmology
48. **DR. CHANDRAHASH -** Honours in Ophthalmology
49. **DR. HIMANSHU -** Honours in Ophthalmology
50. **DR. KESHAV AGARWAL -** Honours in Ophthalmology
51. **DR. PRIYANK RANA -** Honours in Biochemistry
52. **DR. RAJAT YADAV -** Honours in Biochemistry
53. **DR. SALONI MAURYA -** Honours in Biochemistry
54. **DR. UTKARSH Honours -** in Biochemistry
55. **DR. ANUSHKA GUPTA -** Honours in Pathology
56. **DR. MONIKA SINGH -** Honours in Paediatrics
57. **DR. UNAIZA JAVAID -** Honours in Paediatrics
58. **DR. TAVISHI JAIN -** Honours in Community Medicine
59. **DR. TWISHA MISHRA -** Honours in Community Medicine

देहदान का संकल्प लेने वाले आधुनिक महर्षि दधीचियों का एसआरएमएस में सम्मान

देहदान करने वाले महादानी हमेशा अमर रहेंगे: देव मूर्ति

अंग वस्त्र, स्मृति चिह्न और सर्टिफिकेट दे 21 महामानवों को किया सम्मानित

देह से दिव्यता तक कार्यक्रम में उपस्थित देहदान का संकल्प लेने वाले महादानी

बरेली: देहदान का संकल्प लेने वाले महादानियों को सम्मानित करने के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 11 नवंबर 2025 को 'देह से दिव्यता तक' कार्यक्रम हुआ। इसमें देहदान का शपथ पत्र देने वाले लोगों में से 21 आधुनिक महर्षि दधीचियों को सम्मानित किया गया। सभी ने देहदान को महादान बताया और समाजहित में अधिक से अधिक लोगों को खुद से प्रेरणा लेने पर जोर देते हुए देहदान के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम से पहले एमबीबीएस बैच 2025 के विद्यार्थियों ने एनाटामी विभाग में कैडेवरिक शपथ लेकर मानव शरीर को अपनी चिकित्सा शिक्षा का प्रथम गुरु मानते हुए उसे सम्मान और गरिमा के साथ संभालने के संकल्प लिया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के एनाटामी विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने अंग वस्त्र, स्मृति चिह्न और सर्टिफिकेट देकर सभी को सम्मानित किया। उनके संकल्प को महान और महादान बताते हुए इसकी प्रशंसा की। कहा कि 87 महर्षि दधीचि अब तक एसआरएमएस में अपनी देहदान कर चुके हैं। जबकि 80 महादानियों ने इसके लिए शपथ पत्र दिया है। देहदान का संकल्प लेना और परिजनों की देह मेडिकल कालेज को सौंपना हिम्मत का काम है। देहदान जैसा महादानी काम करने वाले लोग हमेशा अमर रहेंगे। इससे पहले एनाटामी डिपार्टमेंट की एचओडी डा. नमिता मेहरोत्रा ने देहदान का शपथ पत्र देने वाले सभी अतिथियों का कार्यक्रम में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आपका यह निस्वार्थ दान मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। आपके इस सर्वोच्च दान से प्रेरणा लेकर निसंदेह और लोग भी महादान के लिए प्रेरित होंगे। इससे विद्यार्थियों को कुशल और अनुभवी चिकित्सक बनने में मदद मिलेगी। आप सब निसंदेह आधुनिक महर्षि दधीचि हैं। सभी का आभार। इससे पहले एमबीबीएस बैच 2025 के विद्यार्थी ने कैडेवरिक शपथ ली और देह को सम्मान और गरिमा के साथ संभालने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में डा.शंभु प्रसाद ने सभी का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी, प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, डा.धनंजय कुमार, डा. समता तिवारी, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सभी विभागाध्यक्ष और एमबीबीएस के विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डा.कंचन बिष्ट ने किया।

देहदान का संकल्प लेने वाले सुभाष मेहरा जी को सम्मानित करते देव मूर्ति जी

देहदान का संकल्प लेने वाले ये हैं आज के महर्षि दधीचि

1. इंजीनियर सुभाष मेहरा (77 वर्ष), जनकपुरी, बरेली
2. डा.उषा रानी मेहरा (74 वर्ष), जनकपुरी, बरेली
3. श्याम सुंदर अरोरा (68 वर्ष), राजेंद्रनगर, बरेली
4. भूदेव झा (65 वर्ष), संजय नगर, बरेली
5. धर्मवीर आर्य (62 वर्ष), देवरनियां, बरेली
6. यतीश मोहन गुप्ता (63 वर्ष), बागेटोला, बदायूं
7. डा. बीबीएल माथुर (76 वर्ष), राजेंद्रनगर, बरेली
8. रमेश महाभारती (76 वर्ष), पीपल सना चौधरी, बरेली
9. डा.नूपुर गोयल (42 वर्ष), रामपुर गार्डन, बरेली
10. राजेंद्र अग्रवाल (68 वर्ष), माडल टाउन, बरेली
11. वेद प्रकाश पोरवाल (68 वर्ष), आशुतोष सिटी, बरेली
12. संकुख किरपलानी (62 वर्ष), माडल टाउन, बरेली
13. प्रसादी लाल (75 वर्ष), नवाबगंज, बरेली
14. उषा रानी सक्सेना (69 वर्ष), बदायूं रोड, बरेली
15. प्रांजल सक्सेना (36 वर्ष), बदायूं रोड बरेली
16. चंद्र प्रकाश कश्यप (60 वर्ष), इंद्रापुरम, बरेली
17. देवेंद्र कुमार साहनी (61 वर्ष), ग्रेटर आकाश, बरेली
18. डा.लता मिश्रा (72 वर्ष), पटियाली सराय, बदायूं
19. डा.नीरज चंद्र जोशी (41 वर्ष), न्यू शारा, पिथौरागढ़
20. जय प्रकाश देवलाल (57 वर्ष), अछोली, पिथौरागढ़
21. जनार्दन पुनेठा (57 वर्ष), कुजौली, पिथौरागढ़

मां- बेटे दोनों ने एक साथ लिया देहदान का फैसला

उषा सक्सेना

प्रांजल सक्सेना

उषा रानी सक्सेना (69 वर्ष) सरकारी स्कूल में शिक्षक थीं। सेवानिवृत्ति के बाद तीन वर्ष पहले उन्होंने देहदान करने की इच्छा बेटे प्रांजल सक्सेना (36 वर्ष) को बताई। शिक्षक बेटे ने उनका समर्थन किया और खुद भी देहदान का संकल्प लिया। इसके लिए शपथपत्र बनवाने में तमाम सवालों का सामना करना पड़ा। देहदान के संबंध में उषा रानी कहती हैं कि अंतिम संस्कार के लिए क्यों लकड़ी पर खर्च करें। शोध के लिए देहदान करें। प्रांजल कहते हैं कि मां की इच्छा के बाद वर्ष 2022 में जब उन्हें शपथ पत्र मिला वह धनतेरस का दिन था। तब से वह धनतेरस को तनतेरस के रूप में मनाते हैं। प्रांजल कहते हैं कि संसार की सभी वस्तुएं ताप और दाब से दूसरे रूप में बदलती हैं ऐसे में दूसरे रूप में बदलने से अच्छा है शरीर का दान करें।

डॉ. नुपूर गोयल

चन्द्र प्रकाश कश्यप

राजेन्द्र अग्रवाल

जय प्रकाश देवलाल

भूदेव

वेद प्रकाश पोरवाल

यतीश गुप्ता

धर्मवीर आर्य

जनार्दन पुनेठा

नीरज चन्द्र जोशी

प्रशादी लाल

श्रीकांत मिश्रा

देवेन्द्र कुमार साहनी

बहन के देहदान के बाद सुभाष ने पत्नी उषा सहित लिया संकल्प

एसआरएमएस ट्रस्ट के सलाहकार, जनकपुरी निवासी इंजीनियर सुभाष मेहरा की बहन कुमारी चंचल मल्होत्रा का देहांत 17 जुलाई को हुआ था। उनकी अंतिम इच्छापूर्ति के लिए सुभाष मेहरा ने उनका शव एसआरएमएस मेडिकल कालेज में बच्चों की पढ़ाई के लिए दान किया। रावलपिंडी में जन्मे सुभाष मेहरा (77 वर्ष) ने आईवीआरआई में साइंटिस्ट रही पत्नी उषा रानी मेहरा (74 वर्ष) के साथ खुद भी देहदान का संकल्प लिया। समाजहित में देहदान को सर्वोपरि बताते हुए सुभाष मेहरा कहते हैं कि बहन के संकल्प के दौरान ही हम दोनों ने भी यह फैसला किया। खुशी है कि हमारा शरीर मेडिकल के विद्यार्थियों के काम आएगा और उन्हें सफल चिकित्सक बन लोगों को स्वस्थ करने में मदद करेगा।

पिता के देहदान के बाद मां ने ली शपथ, दोनों बेटों का भी संकल्प

डाइट फरीदपुर में शिक्षक श्रीकांत मिश्रा अपनी माता डा.लता मिश्रा (72 वर्ष) के स्थान पर समारोह में शामिल हुए। उन्होंने देहदान को महादान बताया। कहा कि पिता विष्णु प्रकाश मिश्रा ने बीस वर्ष की उम्र में देहदान का संकल्प लिया था। 22 जनवरी 2023 में उनके निधन के बाद एसआरएमएस मेडिकल कालेज में देहदान की उनकी अंतिम इच्छा पूरी हुई। मां डा.लता मिश्रा ने भी पिता के संकल्प को आगे बढ़ाया और देहदान का संकल्प लिया है। आज उन्हीं के स्थान पर समारोह में शामिल होने का मौका मिला। श्रीकांत कहते हैं कि पिता और माता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हम दोनों भाइयों ने भी देहदान का फैसला लिया है और जल्द ही औपचारिकताएं पूरी कर इसका शपथ पत्र एसआरएमएस को सौंपेंगे।

देहदान के लिए परिवार को समझाना बेहद मुश्किलः डा.नूपुर गोयल

रामपुर गार्डन निवासी पेशे से चिकित्सक डा.नूपुर गोयल (42 वर्ष) कहती हैं कि यह फैसला खुद का होता है लेकिन इसकी पूर्ति के लिए परिवार को समझाना बेहद मुश्किल काम है। क्योंकि इस इच्छा की पूर्ति परिजनों पर ही निर्भर होती है। हमारे घर में भी यही हुआ। आखिरकार सब मान गए। डा.नूपुर कहती हैं कि सातवीं कक्षा में स्कूल में एक कंकाल को देख कर उन्हें देहदान की प्रेरणा मिली थी। हालांकि इसके लिए शपथ पत्र भरने का मौका 42 वर्ष की उम्र में मिला। देहदान के अपने फैसले के संबंध में डा. नूपुर कहती हैं कि मरने के बाद शरीर शिक्षा के लिए काम आए, इससे अच्छी कोई बात नहीं हो सकती। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को आगे आना चाहिए। जागरूकता की कमी से ऐसा नहीं होता।

शरीर को नष्ट करने से अच्छा देह का महादानः राजेंद्र अग्रवाल

माडल टाउन निवासी राजेंद्र प्रकाश अग्रवाल (68 वर्ष) शरीर को नष्ट करने के बजाय देहदान को सबसे बेहतर बताते हैं। कहते हैं कि जागरूकता की कमी, देहदान के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया, सामाजिक डर और सामाजिक दवाब की वजह से देहदान करने से लोग पीछे हट जाते हैं। इसमें धार्मिक मान्यताएं भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आधुनिक युग में पुरानी मान्यताओं को स्वीकार करने के बजाय तर्क संगत बात करनी चाहिए। जब पंचतत्व से बना शरीर नष्ट हो जाता है। सब पंच तत्व में मिल जाता है और कुछ बचता ही नहीं, तब पुनर्जन्म जैसी मान्यताएं बेमानी हैं। शरीर को जलाने के बजाय, शिक्षा के लिए इसका दान ही सबसे अच्छा उपाय है। धार्मिक मान्यताएं छोड़ कर लोगों को देहदान के लिए आगे आना चाहिए।

एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में हुआ कूच बिहार ट्राफी का तीसरा मैच

कोहरा बना खलनायक, मैच ड्रा

पहली पारी में 45 रनों की बढ़त से उ.प्र. टीम को मिले 3 प्वाइंट, बंगाल को अंक

कूच बिहार ट्राफी के तीसरे मैच में गुब्बारे छोड़कर उद्घाटन करते डीआईजी अजय कुमार साहनी, चेयरमैन देव मूर्ति जी व अन्य अतिथि

बरेली: एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में उ.प्र. और बंगाल के बीच आयोजित कूच बिहार ट्राफी का चार दिवसीय मैच 19 दिसंबर को समाप्त हो गया। कोहरा प्रभावित इस मैच के अंतिम दिन खेल की उम्मीद पर दोपहर बाद मौसम को देखते हुए अंपायरों ने ब्रेक लगाया और ड्रा के साथ मैच समाप्ति की घोषणा की। अंपायर पाराशर जोशी और आर राजेश कैनन ने बंगाल के 171 रन के जवाब में पहली पारी में 45 रनों की बढ़त हासिल करने की वजह से उ.प्र. टीम को ड्रा मैच के बाद भी तीन प्वाइंट प्रदान किए। बंगाल को एक अंक हासिल हुआ। तीन प्वाइंट के साथ कूच बिहार ट्राफी में उ.प्र. के 22 अंक हो गए और इसी के साथ टीम ने सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश हासिल किया। बरेली क्रिकेट एसोसिएशन ने उ.प्र. के विकेटकीपर बल्लेबाज युवराज को मैन अश्वफ द मैच चुना। युवराज ने 107 गेंदों पर 2 छक्कों और 11 चौकों की मदद से 75 रन बनाए और कैच लेकर बंगाल के पांच खिलाड़ियों को आउट करने में भी बहुमूल्य योगदान दिया।

बरेली क्रिकेट एसोसिएशन (बी.सी.ए.) की ओर से एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित कूच बिहार ट्राफी मैच के अंतिम दिन 19 दिसबंर को खेल देखने उमड़े दर्शकों को कोहरे ने निराश किया। दोपहर में अंपायर पाराशर जोशी और आर राजेश कैनन की सलाह के बाद मैच रेफरी प्रकाश भट्ट ने मैच समाप्त होने की घोषणा की। इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। जिसमें बी.सी.ए. के संरक्षक एवं एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति, बीसीए सेक्रेटरी सीताराम सक्सेना ने मैच रेफरी प्रकाश भट्ट, अंपायर आर राजेश कैनन और पाराशर जोशी, एंटी करप्शन आफिसर विजय शर्मा, रेफरी लाइजनिंग आफिसर देवेश सिंह, आनलाइन स्कोरर तपेश कौशिक, स्कोरर प्रशांत, बोर्ड स्कोरर प्रणब दास, वीडियो एनालिस्ट अभिषेक यादव और जयकीरत सिंह जस्सी, बीसीसीआई क्यूरेटर रविंद्र चौहान, यूपीसीए के पिच क्यूरेटर शिव कुमार को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। दोनों टीमों की ओर से सर्वाधिक 75 रन बनाने वाले उ.प्र. के विकेटकीपर बल्लेबाज युवराज को बरेली क्रिकेट एसोसिएशन ने मैन आफ द मैच चुना। युवराज ने 107 गेंदों पर 2 छक्कों और 11 चौकों की मदद से 75 रन बनाए। इसके साथ ही युवराज ने विकेट कीपर के रूप में बंगाल के पांच खिलाड़ियों का कैच लेकर आउट करने में भी बहुमूल्य योगदान दिया। आदित्य मूर्ति ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों के साथ मैच से जुड़े सभी व्यक्तियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि कोहरा प्रभावित होने के बाद भी जितना समय मिला सभी खिलाड़ियों ने अच्छा क्रिकेट खेला। लेकिन कोहरे की वजह से, मौसम के चलते हम सबको पूरा खेल देखने का सौभाग्य नहीं मिल पाया। उन्होंने पहली पारी में 45 रनों की लीड हासिल हासिल कर तीन अंक हासिल कर क्वार्टर फाइनल में स्थान बनाने वाली उ.प्र. टीम से टूर्नामेंट जीतने की अपेक्षा जताई।

मैच पर एक नज़र

- तीन प्वाइंट के साथ उ.प्र. टीम के हुए 22 अंक, क्वार्टर फाइनल के लिए किया क्वालीफाई
- दोपहर 2.40 बजे हुआ टास, उ.प्र. के कप्तान भव्य ने बंगाल को दिया बल्लेबाजी का न्योता
- 1.47 घंटे बाद कम रोशनी की अपील पर 4.27 बजे मैच रैफरी ने रोका पहले दिन का खेल
- पहले दिन 17 ओवर ही हो पाया खेल, तीन विकेट खोकर बंगाल टीम ने बनाए 89 रन
- दूसरे दिन धूप के इंतजार के बाद मैच रेफरी ने शाम चार बजे की खेल न होने की घोषणा
- तीसरे दिन धूप निकलने से सुबह 10.20 बजे शुरू हुआ मैच, 87.1 कुल ओवर हुआ खेल
- तीसरे दिन बंगाल टीम ने तीन विकेट के नुकसान पर 89 रन से आगे खेलना शुरू किया
- 33.1 ओवर खेल कर बंगाल के सभी खिलाड़ियों ने मिल कर बनाया 171 रन का स्कोर
- खेल समाप्त होने तक शाम 4.55 बजे 71 ओवर में उ.प्र. ने 8 विकेट पर बनाए 216 रन
- बंगाल के 171 रन के जवाब में उ.प्र. ने पहली पारी में हासिल की 45 रनों की बढ़त
- पहले दिन 17 ओवर और दूसरे दिन 87.1 ओवर के साथ कुल 104.1 ओवर हुआ क्रिकेट
- 75 रन बनाने, 5 कैच लेने वाले उ.प्र. के बल्लेबाज बने युवराज मैन आफ द मैच

सीताराम सक्सेना, बीसीए सचिव

क्रिकेट में योगदान के लिए बीसीए सचिव सीताराम सक्सेना सम्मानित

मुख्य अतिथि डीआईजी अजय कुमार साहनी, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति और आदित्य मूर्ति ने बरेली में क्रिकेट खिलाड़ियों को निखारने और क्रिकेट को बढ़ाने में योगदान के लिए बीसीए सचिव सीताराम सक्सेना को अंग वस्त्र, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। वर्ष 1965-66 में बरेली कालेज की क्रिकेट टीम का नेतृत्व करने वाले सीताराम सक्सेना ने एसबीआई से मैनेजर पद से सेवानिवृत्त के बाद क्रिकेट में खिलाड़ियों के लिए काम करना आरंभ किया। वर्ष 1998 में वे बीसीए के कोषाध्यक्ष बने और 2010 में उन्हें सेक्रेटरी की जिम्मेदारी दी गई। सीताराम ने सम्मान के लिए आभार जताया।

1st Day

कोहरे और कम रोशनी से हुआ 17 ओवर का खेल

एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में कूच बिहार ट्राफी का तीसरा मैच 16 दिसंबर को आरंभ हुआ। कोहरे के चलते मैच दोपहर बाद 2.40 बजे शुरू हुआ। उ.प्र. के कप्तान भव्य गोयल ने टास जीता और बंगाल को बल्लेबाजी का न्योता दिया। 17 ओवर के बाद 4.27 बजे बंगाल के बल्लेबाजों ने कम रोशनी की अपील की, जिस पर मैच रेफरी प्रकाश भट्ट ने खेल रोका। 35 मिनट बाद 4.51 बजे पहले दिन का मैच समाप्त होने की घोषणा हुई। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक बंगाल ने 3 विकेट के नुकसान पर 89 रन बनाए। पहले विकेट के रूप में आत्मजा मंडल 10 रन के निजी स्कोर पर कैच हुए। रवि सैनी के हाथ यश पंवार ने 6.4 ओवर में उन्हें आउट किया। तब बंगाल का स्कोर 26 रन था। 62 रन के स्कोर पर बंगाल के कप्तान चंद्रहास (27 रन, 25 गेंद, 5 चौके) आउट हुए। उन्हें भी रवि सैनी ने अनमोल के हाथ कैच करवाया। 16.3 ओवर में 84 रन पर आशुतोष कुमार आउट हुए। 17 ओवर में कम रोशनी की अपील से पहले बंगाल ने पहले दिन तीन विकेट पर 89 रन बनाए।

2nd Day

कोहरा जीता, नहीं फेंकी गई एक भी गेंद

मैच का दूसरा दिन कोहरे की भेंट चढ़ा। पूरे दिन मैच खेलने का इंतजार करते दोनों टीमों के खिलाड़ी फुटबाल खेल कर अपनी प्रैक्टिस करते रहे , लेकिन कोहरा कम न होने पर करीब चार बजे अंपायर से परामर्श के बाद मैच रेफरी ने मैच न होने की घोषणा की। पहले दिन के अविजित बंगाल के आदित्य राय (35 रन, 38 गेंद, 4 चौके) और अभिप्राय बिस्वास (4 रन, 2 गेंद, एक चौका) दूसरे दिन कोहरे के चलते मैच न होने से पैड नहीं बांध सके।

उ.प्र. टीम- भव्य गोयल (C), आयान अकरम, अनमोल नौशराम, कैफ रहमान, भावी शर्मा, कार्तिकेय सिंह (WC), राहुल, दक्ष चंदेल, के कृष्णा, यश पंवार, रवि सैनी, यशु प्रधान, युवराज, मोहम्मद अर्शमन, शिवांशु सचान।

बंगाल टीम- चंद्रहास दाश (C), आदित्य राय, अत्मजा मंडल, सयन पाल, आशुतोष कुमार, अगस्त्य शुक्ला, अभिप्राय बिस्वास (WC), सचिन यादव, रोहित, रोहित दास, शिवम भारती, कुशल गुप्ता, विराट चौहान, राजदीप पासवान।

3rd Day

दोनों टीमों ने तेजी से खेलते हुए बढ़ाया स्कोर

तीसरे दिन बंगाल टीम ने पहले दिन के स्कोर 3 विकेट के नुकसान पर 89 रन से आगे खेलना शुरू किया। आदित्य राय और अभिप्राय बिस्वास ने तेजी से रन बनाना शुरू किया। दोनों मिलकर 12 रन ही जोड़े थे कि आदित्य राय (40 रन, 44 गेंद, 4 चौके) यश पंवार का शिकार बने और युवराज को कैच दे बैठे। इसके बाद अभिप्राय बिस्वास (41 रन, 38 गेंद, 8 चौके) और विराट चौहान (32 रन, 29 गेंद, 4 चौके, एक छक्का) ही उ.प्र. के गेंदबाजों का सही से सामना कर पाए और टीम को सम्मान जनक स्कोर 171 पर पहुंचाया। 33.1 ओवर में बंगाल टीम पवेलियन लौटी। शुरुआत में उ.प्र. के ओपनर अनमोल और शांतनु बंगाल के आक्रमण के आगे कुछ बेबस नजर आए। 13 गेंद खेलने के बाद भी कोई रन न बना पाने वाले शांतनु सिंह को सिद्धार्थ घोष ने 4.5 ओवर में बोल्ड कर बंगाल के लिए पहला विकेट हासिल किया। तब उ.प्र. का स्कोर सिर्फ 13 रन था। अब अनमोल का साथ देने पिच पर युवराज पहुंचे। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 124 रन की साझेदारी निभाई। विराट चौहान ने एलबीडब्ल्यू आउट कर युवराज (75 रन, 107 गेंद, 11 चौके, 2 छक्के) की आक्रामक पारी को समाप्त किया। उ.प्र. के स्कोर को बढ़ाने में अनमोल (68 रन, 146 गेंद, 11 चौके, एक छक्का), अयान अकरम (17 रन, 13 गेंद, 2 चौके), कप्तान भावी गोयल (24 रन, 35 गेंद, 4 चौके, एक छक्का) ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शाम 4.55 बजे 71 ओवर में जब उ.प्र. टीम का स्कोर 216 रन था, क्रीज पर बल्लेबाज के कृष्णा और यश पंवार ने कम रोशनी की अपील की। रेफरी ने पांच मिनट के बाद तीसरे दिन का मैच समाप्त होने की घोषणा की। कृष्णा और यश पंवार क्रमशः 15 और 4 रन पर अविजित लौटे।

अकरम सैफी समेत गणमान्य अतिथियों ने लिया खेल का आनंद

कूच बिहार ट्राफी के तीसरे दिन खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने डीआईजी अजय साहनी, एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी नार्थ मुकेश मिश्रा, सहारनपुर क्रिकेट एसोसिएशन के डायरेक्टर अकरम सैफी, पूर्व रणजी खिलाड़ी मोहम्मद असलम खान, प्रेम प्रकाश अग्रवाल भी क्रिकेट स्टेडियम पहुंचे। सभी ने स्टेडियम में उपलब्ध सुविधाओं की तारीफ की और खेल का आनंद लिया। इस दौरान बीसीए के संरक्षक एवं एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति, बीसीए के सेक्रेटरी सीताराम सक्सेना, सीनियर ज्वाइंट सेक्रेटरी ओपी कोहली, ट्रेजरार शहजाद अली, एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा. एमएस बुटोला, डा.शैलेश सक्सेना, डा.;तु सिंह, डा.सोवन मोहंती, बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य और अश्वर्गनाइजिंग कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

अकरम सैफी, डायरेक्टर सहारनपुर क्रिकेट एसो.

अजय कुमार साहनी, डीआईजी

मुकेश चन्द्र मिश्रा, एसपी नॉर्थ

युवराज मैन ऑफ द मैच

राजेश कानन अम्पायर

प्रकाश भदट मैच रेफरी

पराशर जोशी अम्पायर

अकरम सैफी, पूर्व रणजी खिलाड़ी

आशुतोष सिंह, सम्पादक जागरण

मैच का शानदार उद्घाटन, डीआईजी साहनी ने किया प्रोत्साहित

यू.पी.सी.ए. के निर्देश पर बरेली क्रिकेट एसोसिएशन (बी.सी.ए.) की ओर से श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में 16 दिसंबर सुबह 8.30 बजे कूच बिहार ट्राफी के मैच का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि डीआईजी अजय कुमार साहनी ने मैच आयोजन के लिए बरेली क्रिकेट एसोसिएशन और एसआरएमएस ट्रस्ट को धन्यवाद दिया। कहा कि जब हम लखनऊ से निकलते हैं तो नोएडा के बीच एसआरएमएस का स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। क्रिकेट खिलाड़ियों को निखारने के लिए यहां अच्छी सुविधाएं उपलब्ध हैं। आज यहां तीसरी बार कूच बिहार ट्रश्वफी का मैच आयोजित हो रहा है। यह निसंदेह बीसीए, एसआरएमएस ट्रस्ट और बरेली के लिए गर्व की बात है। उ.प्र. और बंगाल के बीच होने वाले इस मैच के लिए दोनों टीमों के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं और बधाइयां। यहां खेलने वाले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपना नाम रोशन करें। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने कूच बिहार ट्राफी के तीसरे मैच के लिए बरेली क्रिकेट एसोसिएशन का आभार जताया और क्रिकेट में योगदान के लिए सचिव सीताराम सक्सेना की सराहना की। इससे पहले बीसीए के संरक्षक व एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति ने खिलाड़ियों और अतिथियों का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह का संचालन डा. अनुज कुमार और डा.आशीष कुमार ने किया। इस अवसर पर ट्रस्टी ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डा.निर्मल यादव, आईएमए अध्यक्ष डा.अतुल, डा.अंशू अग्रवाल, डा.आरके सिंह, आईडीए अध्यक्ष डा.राहुल बोरा, डा.योगेश प्रसाद, विभोर गोयल, सुबोध अग्रवाल, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.एमएस बुटोला, डा.जसप्रीत कौर, डा.मुथु महेश्वरी, डा.शैलेश सक्सेना, बीसीए अध्यक्ष सरफराज वली खां, बीसीए उपाध्यक्ष राजेंद्र मनोहर शर्मा, सीनियर ज्वाइंट सेक्रेटरी ओपी कोहली, ट्रेजरार शहजाद अली, ज्वाइंट सेक्रेटरी राहुल कपूर, चंचल उपाध्याय, आदर्श तिवारी, राकेश शर्मा, मनीष सिंह, उ.प्र. टीम के हेड कोच ध्रुव सिंह, मैनेजर विनय कुमार, बंगाल टीम के कोच शौर्याशीष लाहिरी, मैनेजर मिलन घोष, चीफ क्यूरेटर शिव कुमार, क्यूरेटर युसुफ अंसारी, डा.नितिन सक्सेना, अनुज शर्मा, शंकरपाल और मैच आर्गनाइजिंग कमेटी के सभी सदस्य मौजूद रहे।

पहला मैच- उ.प्र. बनाम नागालैंड (12-15 नवंबर 2025)

फ्लैश बैक

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यू.पी.सी.ए.) के तत्वावधान में बरेली क्रिकेट एसोसिएशन (बी.सी.ए.) की ओर से बरेली में पहली बार 12 नवंबर से 15 नवंबर 2022 में बीच कूच बेहार ट्राफी का मैच आयोजित हुआ। श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में उ.प्र. ने नागालैंड को एक पारी और 110 रन से हराया। इसमें उ.प्र. के पहली पारी में 319 रन के जवाब में नागालैंड की टीम ने दोनों पारियों बनाए 116 और 93 रन। चार दिवसीय यह मैच दो दिन में ही समाप्त हो गया। इसमें दूसरी पारी में नागालैंड के पांच विकेट झटकने वाले विराट जायसवाल मैन आफ द मैच रहे थे।

दूसरा मैच- उ.प्र. बनाम म.प्र. (6-9 नवंबर 2025)

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यू.पी.सी.ए.) के तत्वावधान में बरेली क्रिकेट एसोसिएशन (बी.सी.ए.) की ओर से बरेली में दूसरी बार 6 नवंबर से 9 नवंबर 2024 में कूच बेहार ट्राफी का दूसरा मैच हुआ। श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच हुए इस मैच में मध्य प्रदेश ने उ.प्र. को 297 रन से हराया। खेल के चौथे और अंतिम दिन 9 नवंबर 2024 को जीत के लिए दिए लक्ष्य 475 रन बनाने उतरे उ.प्र. के बल्लेबाज 177 रन तक ही पहुंच पाए। नतीजा म.प्र. ने उ.प्र. पर 297 रन से जीत दर्ज कर मैच अपने नाम किया। 15 चौकों की मदद से 145 गेंदों पर मैच का एकमात्र शतक लगाने वाले म.प्र. के बल्लेबाज रुद्रांश सिंह को मैन आफ द मैच चुना गया।

आयुष्मान भारत योजना में सर्वाधिक योगदान के लिए एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज सम्मानित

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत प्रदेश में सर्वाधिक मरीजों के उपचार के लिए श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (श्रीराम मूर्ति अस्पताल) को सम्मानित किया गया। पीएमजेएवाई के सात वर्ष पूर्ण होने पर लखनऊ में 29 सितंबर 2025 को आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री व मेडिकल हेल्थ और फैमिली वैलफेयर मंत्री ब्रजेश पाठक ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति को सर्टिफिकेट और ट्राफी देकर सम्मानित किया।

अंडर 12 में अभिमन्यु जवाला ने बनाए नाबाद 154 रन

एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी के कप्तान अभिमन्यु जवाला ने मुरादाबाद के पार्क इंटर कालेज में आयोजित पार्कर मेमोरियल अंडर 12 क्रिकेट टूर्नामेंट में 12 नवंबर को नाबाद 115 रन की आक्रामक पारी खेली। उन्होंने 21 चौकों की मदद से 115 गेंदों पर नाबाद 154 रन बनाए। जिसकी बदौलत एसआरएमएस टीम ने 20 ओवर में 293 रन बनाए और चिल्ड्रेन क्रिकेट एकेडमी की टीम को 231 रन से पराजित किया। चिल्ड्रेन क्रिकेट एकेडमी की टीम 18.4 ओवर में सिर्फ 62 रन ही बना सकी।

औद्योगिक विकास में योगदान के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट सम्मानित

औद्योगिक क्षेत्र के विकास में विशेष व सराहनीय योगदान के लिए बरेली जिला प्रशासन ने एसआरएमएस ट्रस्ट को सम्मानित किया। उपायुक्त उद्योग, जिला प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र की ओर से अर्बन हाट में 17 अक्टूबर 2025 की शाम यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025, स्वदेशी मेला व युवा उद्यमी सम्मान समारोह में महापौर डा.उमेश गौतम, उद्यमिता विकास केंद्र के उपायुक्त विकास यादव और नगरायुक्त संजीव कुमार मौर्य ने यह सम्मान ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति को प्रदान किया।

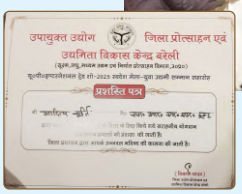

मेडिकल कालेज में बढ़ाई गईं एमबीबीएस की 50 सीट

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 50 सीट बढ़ाए जाने से यहां 200 विद्यार्थी एमबीबीएस कर सकेंगे। सीट वृद्धि का यह फैसला नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने 10 सितंबर 2025 को किया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी ने इसके लिए एनएमसी और प्रदेश सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि एनएमसी ने नवंबर 2021 में एमबीबीएस की 50 सीटों की वृद्धि की थी। जिससे सीटों की संख्या 150 हो गई। अब 200 हुई।

रिद्धिमा के चार गुरुजन एवं कथक छात्रा सम्मानित

रिद्धिमा के चार गुरुजनों को पिछले दिनों सम्मानित किया गया। इसमें कथक विभाग के तीनों गुरु देबज्योति नस्कर, रियाश्री चटर्जी एवं अंशु कुमार को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए 6 अक्टूबर 2025 को दूरदर्शन केंद्र-प्रसार भारती, नई दिल्ली की ओर से बी ग्रेड प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है। जबकि गायन गुरु प्रियंका ग्वाल को आकशवाणी के रामपुर केंद्र की ओर पहली सितंबर को बी ग्रेड प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है । कथक की छात्रा गौरिका शर्मा ने 4 अक्टूबर को संस्कार भारती नाट्य केंद्र आगरा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय नाट्य एवं नृत्य प्रतियोगिता रंगोदय 2025 में प्रथम स्थान हासिल किया।

देव ज्योति

रियाश्री

अंशु कुमार

प्रियंका

गौरिका

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी-20 प्राइज मनी वुमन क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन फर्स्ट का समापन

10 रन से एसआरएमएस को हरा देहरादून स्ट्राइकर्स चैंपियन

13 अतिरिक्त रनों से पार न पा सकी एसआरएमएस की टीम दवाब में बिखरी

चैंपियन ट्रॉफी व कैश अवार्ड के साथ देहरादून स्ट्राइकर्स के खिलाड़ी

बरेली: श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी- 20 प्राइज मनी वूमन क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन फर्स्ट के रोमांचक फाइनल मुकाबले में 31 अक्टूबर को देहरादून स्ट्राइकर्स ने दस रन से एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी को हरा कर चैंपियंस ट्राफी पर कब्जा करने के साथ 25000 रुपये का नकद पुरस्कार भी जीता। रनर अप एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी की टीम को 15000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। देहरादून की नीलम बिष्ट ने खेल के हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन टूर्नामेंट को यादगार बना दिया। टूर्नामेंट के 4 मैच में उन्होंने सर्वाधिक 136 रन बनाए और 10 विकेट भी हासिल किए। इसी कारण नीलम को प्लेयर आफ द टूर्नामेंट के साथ ही बेस्ट बैट्समैन आफ द टूर्नामेंट और बेस्ट बालर आफ द टूर्नामेंट भी घोषित किया गया। नीलम बिष्ट तीन लीग मैच में भी मैन आफ द टूर्नामेंट रहीं। नीलम को प्लेयर आफ द टूर्नामेंट की ट्राफी के साथ 5000 रुपये, बेस्ट बैट्समैन के लिए 2500 रुपये और बेस्ट बालर के लिए भी 2500 रुपये नकद पुरस्कार दिया गया। फाइनल मैच में 5 चौंकों की मदद से 27 रन बनाने के साथ ही 17 रन देकर 2 विकेट हासिल करने वाली देहरादून की डिंपल कंडारी मैन आफ द मैच बनीं। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने वुमन क्रिकेट टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि अगले वर्ष से दोगुनी करने की घोषणा की। बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सीताराम सक्सेना ने भी अगले वर्ष से इस टूर्नामेंट में बीसीए की ओर से 25 हजार रुपये देने की घोषणा की। इस तरह अगले वर्ष टूर्नामेंट में लड़कियों को दोगुनी राशि जीतने का मौका मिलेगा।

नीलम बिष्ट (प्लेयर आफ द टूर्नामेंट)

- विजेता टीम देहरादून स्ट्राइकर्स को ट्राफी के साथ दिया गया 25000 का नकद पुरस्कार
- रनर अप टीम एसआरएमएस को दिया गया 15000 रुपये का नकद पुरस्कार
- प्लेयर आफ द टूर्नामेंट देहरादून की नीलम बिष्ट को ट्राफी के साथ मिले 5000 रुपये
- बेस्ट बैट्समैन और बेस्ट बालर भी नीलम को चुना गया, 2500- 2500 रुपये और मिले
- फाइनल में देहरादून की डिंपल कंडारी बनी मैन आफ द मैच, 27 रन बनाए, 2 विकेट भी लिए
- टूर्नामेंट में शामिल हुईं दिल्ली, देहरादून, हल्द्वानी और एसआरएमएस एकेडमी की टीम
- टी-20 वुमन क्रिकेट टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि अगले वर्ष से की बढ़ा कर की जाएगी 75 हजार
- बरेली क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से भी टूर्नामेंट में 25 हजार रुपये नकद देने की घोषणा

वूमन क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी-20 प्राइज मनी वूमन क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन फर्स्ट के अंतिम दिन 31 अक्टूबर को देहरादून स्ट्राइकर्स और एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। देहरादून की कप्तान आराधना ने टश्वस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उनके फैसले को बल्लेबाजों ने सही साबित किया और टीन ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 118 रन बनाए। इसमें डिंपल कंडारी (27 रन, 35 गेंद, 5 चौके), याशिका (28 रन, 34 गेंद, 2 चौके), साक्षी (15 रन, 7 गेंद, 2 चौके) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। देहरादून को 13 अतिरिक्त रन भी हासिल हुए। जीत के लिए 119 रन का पीछा करने उतरी एसआरएमएस के खिलाड़ियों ने संभल कर खेलना शुरू किया। जिससे रनों और गेंदों के बीच अंतर बढ़ता गया और तेज खेलने के चक्कर में बल्लेबाज गलतियां कर पैवेलियन लौटते रहे। एसआरएमएस की टीम 9 विकेट पर 108 रन ही बना सकी। इसमें मनीषा कंवर (27 रन, 30 गेंद, 4 चौके), मुस्कान (23 रन, 33 गेंद, 2 चौके), मीनाक्षी (19 रन, 17 गेंद, 3 चौके) और गुंजन (17 रन, 19 गेंद, 2 चौके) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। रन बनाने के लिए लंबे शाट खेलने के चक्कर में अन्य खिलाड़ी विकेट गंवा बैठे। नतीजा देहरादून स्ट्राइकर्स ने 10 रन से श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी- 20 प्राइज मनी वूमन क्रिकेट टूर्नामेंट में चैंपियन ट्राफी उठाने का गौरव हासिल किया।

वूमन क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्रॉफी का अनावरण करती गुडलाइफ हॉस्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी

खिलाड़ियों ने सराहा और अतिथियों ने दी बधाई

पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि स्क्वार्डन लीडर इंदू नायर ने विजेता और उप विजेता टीम को ट्राफी देने के साथ शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों की खेल भावना को भी सराहा और शानदार आयोजन के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट को भी बधाई दी। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने जीत और हार को एक समान लेने और इससे सीखने का संदेश दिया। ऐसे में दोनों को एक समान नजरिए से देखना चाहिए और हमेशा जीत की तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने अगले वर्ष से वुमन क्रिकेट टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि दोगुनी करने की घोषणा की। कहा कि अगले वर्ष से इस टूर्नामेंट के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से 75 हजार रुपये दिए जाएंगे। बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सीताराम सक्सेना ने भी अगले वर्ष से इस टूर्नामेंट में बीसीए की ओर से 25 हजार रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि एसआरएमएस ट्रस्ट के सहयोग से बीसीए लगातार क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित करवा रहा है। अगले वर्ष से इस टूर्नामेंट को बीसीए की ओर से 25 हजार रुपये दिए जाएंगे। एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी और बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक आदित्य मूर्ति ने टूर्नामेंट में शामिल सभी टीमों को अच्छे खेल के लिए शुभकामनाएं दीं और शानदार आयोजन में सहयोग के लिए बीसीए का धन्यवाद दिया। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन रिद्धिमा के सेंटर कोआर्डिनेटर डा.आशीष कुमार ने किया। गुड लाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी ने उद्घाटन मैच खेलने वाली दोनों टीमों एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी और दिल्ली दबंग वुमेन्स के खिलाड़ियों का परिचय लिया और खेल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बीसीए के उपाध्यक्ष राजेंद्र मनोहर, सह सचिव ओपी कोली, एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी, इंजीनियर सुभाष मेहरा, एसआरएमएस सीईटी के प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता, वाइस प्रिंसिपल डा.ऋतु सिंह, मेडिकल के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, सीईटीआर के डीन डा. शैलेश सक्सेना, डायरेक्टर फार्मेसी डा. अमित शर्मा, डिप्टी ट्रस्ट एडवाइजर रुचि शर्मा, डा.सोवन मोहंती, कोच मनीष सिंह, अनुज शर्मा, युसुफ अंसारी सहित टूर्नामेंट आयोजन समिति के सदस्य, कालेज फैकेल्टी और स्टाफ मौजूद रहा। मैच में अंपायरिंग हृदेश कुमार और सौरभ कुमार ने की। अनुज शर्मा थर्ड अंपायर और कुणाल स्कोरर रहे। कमेंट्री यूसुफ अंसारी ने संभाली।

वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'जेस्ट-2025 एकतत्वम' का शानदार आयोजन

सीईटी के डांस गुप्र क्रीड को इस बार भी पहला स्थान

संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने विजेताओं को ट्राफी और सर्टिफिकेट प्रदान कर किया

- एसआरएमएस ट्रस्ट के बरेली, लखनऊ, उन्नाव स्थित सभी संस्थानों के 4000 विद्यार्थी हुए शामिल
- दो दिवसीय 'जेस्ट-2025 एकतत्वम' की 20 सांस्कृतिक स्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा
- एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दिया एकता से तरक्की का संदेश
- रामायण और महाभारत के प्रसंगों व पात्रों पर बनी फाइन आर्ट्स गैलरी रही आकर्षण का केंद्र
- जेस्ट में पहुंचे सीईटीआर के पूर्व विद्यार्थी, एलुमनाई मीट में साझा की अपने यादें और उपलब्धियां

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी (एसआरएमएस सीईटी) में आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम जेस्ट 2025 एकतत्वम 14-15 नवंबर 2025 को हुआ। जेस्ट के ग्रुप डांस में एसआरएमएस सीईटी के क्रीड ग्रुप को पहला पुरस्कार मिला। दूसरा पुरस्कार सीईटी के ही ग्रुप जेनिथ और तीसरा पुरस्कार आईबीएस उन्नाव के ग्रुप सोल ग्रुप ने हासिल किया। रिद्धिमा और नर्सिंग की टीम ने सांत्वना पुरस्कार हासिल किया। सीईटी के डांस गुप्र क्रीड ने पिछले वर्ष (2024 में) भी पहला स्थान हासिल किया था। सभी विजयी प्रतिभागियों को एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक चेयरमैन देवमूर्ति जी, गुडलाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी, श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी के डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता ने पुरस्कार और ट्राफी प्रदान कीं।

एसआरएमएस सीईटी के शतिक सभागार में 14 नवंबर को ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के बाद मुख्य अतिथि एकेटीयू के वीसी प्रोफेसर जेपी पांडेय की अनुपस्थिति में श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के चेयरमैन व अध्यक्ष देव मूर्ति जी ने आदित्य मूर्ति जी, ट्रस्ट सलाहकार सुभाष मेहरा, एसआरएमएस सीईटी के प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता, सीईटीआर के डीन डा.शैलेश सक्सेना, आईएमएस प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, फार्मेसी विभाग के डायरेक्टर अमित कुमार शर्मा के साथ 'जेस्ट-2025- एकतत्वम' का उद्घाटन किया। देव मूर्ति जी ने कहा कि आज 26वां जेस्ट आयोजित किया जा रहा है। बरेली में कर्फ्यू और कोविड के दौरान दो बार इसका आयोजन नहीं हो सका। आज यह आसान है, लेकिन पहली बार वर्ष 1998 में जेस्ट का आयोजन इतना आसान नहीं था। विद्यार्थियों का ग्रुप टायरो जेस्ट की विरासत को अच्छे से संभाल रहा है। 200 से ज्यादा लोगों ने ग्रुप के लिए नाम सुझाए थे, तब कहीं टायरो नाम रखना सुनिश्चित हुआ। लगातार शानदार आयोजन करने के लिए टायरो क्लब को बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने विद्यार्थियों को एकता का संदेश दिया और आई (मैं) और वी (हम) का उल्लेख कर कहा कि आई मैं और इलनेस को इंगित करते हैं, जबकि वी हम और वेलनेस को। स्पष्ट है कि आई के बजाय वी को यानी हम और वेलनेस को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हम शब्द एकता का प्रतीक है और यही एकता जेस्ट 2025 की थीम एकतत्वम है। सभी को एक मानने और एक होकर आगे बढ़ने से सभी की तरक्की संभव है। उन्होंने अपने अहम को दूर रखने और एक होकर समाज और देश की तरक्की के लिए एक साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। कहा, बिना एकता कोई काम सफल नहीं होता। इससे पहले डायरो सेक्रेटरी ऋषभ वर्मा ने जेस्ट एकतत्वम की थीम पर अपनी कविता

जेस्ट 2025 के विजेता

माइम ---
प्रथम- कालेज आफ नर्सिंग, बरेली
द्वितीय- सीईटी, बरेली
तृतीय- आईपीएस, बरेली

सोलो सिंगिंग ---
प्रथम- सीईटी, बरेली
द्वितीय- रिद्धिमा
तृतीय- आईपीएस, बरेली

क्रिमसन कार्निवाल ---
विजेता- दीपक शर्मा (एसआरएमएस आईपीएस, बरेली)

महाकाव्य का अनुभव ---
प्रथम- नर्सिंग एवं पैरामेडिकल उन्नाव
द्वितीय- नर्सिंग एवं पैरामेडिकल उन्नाव
तृतीय- आईपीएस बरेली

मल्टी सीन ---
प्रथम- आईपीएस
द्वितीय- आईएमएस
तृतीय- आईबीएस

डे क्रिप्टिक डेर्बी ---
प्रथम- सीईटी, बरेली
द्वितीय- सीईटी, बरेली
तृतीय- आईबीएस, उन्नाव

बैटल आफ बैंड्स ---
विजेता- सीईटी, बरेली
उप विजेता- रिद्धिमा, बरेली

स्केचिंग ---
प्रथम- सीईटी, बरेली
द्वितीय- नर्सिंग, बरेली
तृतीय- आईपीएस, बरेली

बुक पिचिंग कांटेस्ट ---
प्रथम- आईबीएस, उन्नाव
द्वितीय- सीईटीआर, बरेली
तृतीय- आईबीएस, उन्नाव

बियांड द मिनट ---
प्रथम- सीईटी, बरेली
द्वितीय- सीईटी, बरेली
तृतीय- आईबीएस, बरेली

इंस्ट्रूमेंटल ---
विजेता- देव सक्सेना, सीईटी, बरेली

फेस ऑफ ---
विजेता- उत्कर्ष पांडेय, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल, उन्नाव

फेस पेंटिंग ---
विजेता- भूमिका गोस्वामी, आईपीएस

स्केचिंग (आर्ट गैलरी) ---
प्रथम- कोमल, सीईटी, बरेली
द्वितीय- मान्या अग्रवाल, सीईटी, बरेली
तृतीय- कुशाग्र गोयल, आईपीएस, बरेली

कैनवास (आर्ट गैलरी) ---
प्रथम- अनुष्का, सीईटी, बरेली
द्वितीय- प्रतिभा पाल, सीईटी, बरेली
तृतीय- खुशी भाटिया, आईपीएस, बरेली

ग्रुप डांस ---
प्रथम- क्रीड ग्रुप, सीईटी, बरेली
द्वितीय- जेनिथ ग्रुप, सीईटी, बरेली

प्रस्तुत की और एकतत्वम के महत्व को स्पष्ट किया। जेस्ट 2025 में फाइन आर्ट्स कमेटी की गैलरी सभी के आकर्षण का केंद्र रही। यहां रामायण और महाभारत के प्रसंगों और पात्रों पर प्रदर्शित पोस्टर, स्केच और ड्राइंग ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। फाइन आर्ट कमेटी की चेयरपर्सन विद्यार्थी मान्या गुप्ता ने चेयरमैन देव मूर्ति जी सहित अन्य सभी को इस बार की थीम की जानकारी दी। उद्घाटन समारोह का संचालन विद्यार्थी वंशिका शर्मा और राहुल भट्ट ने किया। सभी का स्वागत ट्रस्ट इवेंट कोआर्डिनेटर रिया अग्रवाल ने किया। जबकि धन्यवाद प्रस्ताव डायरो अध्यक्ष प्रतीक्षा सिंह ने किया। 'जेस्ट-2025 एकतत्वम' में सोलो सिंगिंग, मीम, कार्निवाल, महाकाव्य का अनुभव, मल्टी सीन, फेस आफ, बैटल आफ बैंड्स, ग्रुप डांस, स्केचिंग, बियोंड द मिनट, इंस्ट्रूमेंटल, बुक पिचिंग कांटेस्ट, फेस पेंटिंग, रेनेसां, स्ट्रीट प्ले और एलुमनाई मीट जैसी 20 स्पर्धाएं आयोजित हुईं। इस मौके पर ट्रस्टी देविशा मूर्ति जी, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा. मुथु महेश्वरी, सीईटी की वाइस प्रिंसिपल डा. ऋतु सिंह, ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार, आईएमएस के डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, आईएमएस के डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सीईटी के चीफ प्राक्टर डा. विवेक यादव, डीएसडब्ल्यू डा.सौरभ गुप्ता, रिद्धिमा के सेंटर कोआर्डिनेटर डा.आशीष कुमार, डा.सोवन मोहंती, डा. दीपाली अग्रवाल, सभी विभागाध्यक्ष, फैकेल्टी मेंबर और पुरातन छात्र भी मौजूद रहे।

नाटक, गायन, वादन, नृत्य, कला साहित्य एक जगह

12वीं राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता 'कलर बैलून' के साथ ही कला वीथिका में 'योगेश्वर'

बरेली: नाटक, गायन, वादन, नृत्य, कला के लिए चर्चित एसआरएमएस रिद्धिमा का मंच साहित्य के लिए भी अपनी पहचान पुख्ता करने लगा है। साहित्य सरिता में यहां बहने वाली वाली कवियों की गीत और शायरों की नज्में साहित्य प्रेमियों को लुभाने और प्रोत्साहित करने का काम करने लगी हैं। इनके साथ ही रिद्धिमा युवाओं में छिपी प्रतिभा को भी निखारने का काम बखूबी कर रहा है। यहां आयोजित 12वीं राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता इसका प्रमाण है। जिसमें इस बार स्कूलों एवं कालेज से 100 से अधिक प्रतियोगियों ने हिस्सा लेकर कला के प्रति अपना समर्पण प्रदर्शित किया। कार्यशाला में शामिल होकर युवाओं ने चित्रकला का हुनर भी निखारा। संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी के मार्गदर्शन में यहां पर पिछले पांच माह में दर्शकों ने 9 नाटकों का आनंद लिया। इसके साथ ही कथक, भरतनाट्यम के साथ ही लोक नृत्य की विशेष प्रस्तुतियों को भी देखा। यहां संगीतमय प्रस्तुतियों में स्वरों और साजों की जुगलबंदी से निकले सुरों ने भी संगीत के कद्रदानों को लुभाया। इन कार्यक्रमों में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी, सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, देविशा मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, डा.रजनी अग्रवाल, ट्रस्ट सलाहकार सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा, डा.एमएस बुटोला, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा.शैलेश सक्सेना, डा.आशीष कुमार, डा.रीता शर्मा, डा. शरत जौहरी, डा.मनोज टांगड़ी, डा. विद्या नंद सहित शहर के गण्यमान्य लोग मौजूद रहे।

लोक नृत्य

रिद्धिमा में 12वीं राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता 'कलर बैलून' आयोजित

रिद्धिमा में 10 नवंबर 2025 को 12वीं राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता 'कलर बैलून' का आयोजन हुआ। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बरेली शहर के प्रतिष्ठित स्कूलों एवं कालेज से 100 से अधिक प्रतियोगियों ने इसमें हिस्सा लेकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के ग्रुप-ए में एसआर इंटरनेशनल की छात्रा रिया सिंह, ग्रुप-बी में एसआर इंटरनेशन के प्रकाश खंडेलवाल और ग्रुप-सी में एसआरएमएस मेडिकल कालेज की अणिमा लाल ने पहला स्थान हासिल किया। 'कलर बैलून' के ग्रुप-ए में एसआर इंटरनेशनल की छात्रा संस्कृति यादव को द्वितीय स्थान और द गुरु स्कूल की अनुकृति वार्ष्णेय को तीसरा स्थान मिला। ग्रुप-बी में हार्टमैन कालेज की उन्नति कपूर को दूसरा और द गुरु स्कूल की संस्कृति शर्मा को तीसरा स्थान मिला। ग्रुप-सी में एसआरएमएस सीईटी की प्रतिभा पाल और यहीं के केशव बघेल को क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान मिला। इस वर्ष यह प्रतियोगिता तीन वर्गों में आयोजित हुई। ग्रुप-ए में कक्षा 6 से 8, ग्रुप-बी में कक्षा 9 से 12 और ग्रुप-सी में स्नातक स्तर के विद्यार्थी शामिल हुए। प्रतियोगिता की थीम स्वच्छ भारत, यूनिटी इन डाइवर्सिटी और आर्ट फार्म्स आफ इंडिया थी। प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों के लिए कला विभाग की ओर से एक कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसमें 50 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में कला विभाग के गुरु सौरभ रस्तोगी ने जल, तैल एवं एक्रेलिक रंगों के मिश्रण एवं संयोजन की जानकारी दी और मानव आकृति का परिमाण युक्त चित्रण करना भी सिखाया। कार्यशाला एवं कला प्रतियोगिता के समापन समारोह के दौरान संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार एवं प्रणाम पत्र प्रदान किए।

चित्रकला प्रदर्शनी 'योगेश्वर' आयोजित

रिद्धिमा में 20 सितंबर 2025 को तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी 'योगेश्वर' आरंभ हुई। ललित कला विभाग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में नवोदित कलाकारों ने हिस्सा लिया। ट्रस्टी आशा मूर्ति और उषा गुप्ता ने इसका उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में कला विभाग के गुरु सौरव रस्तोगी द्वारा तैयार की गई 'योगेश्वर' सीरीज आकर्षण का केंद्र रही। इसमें योगेश्वर श्री कृष्ण के बाल्यकाल से गोलोक गमन तक की कथा 45 से अधिक कला कृतियों से प्रदर्शित की गई। इस उद्घाटन समारोह के दौरान सुभाष मेहरा, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. रीता शर्मा, डा. वंदना शर्मा, आशीष कुमार तथा शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

07 सितम्बर 2025

कथक कार्यक्रम 'शक्तिरूपेण संस्थिता' का आयोजन

28 सितम्बर 2025

नाटक बियान्ड द मिरर में भेदभाव न करने का संदेश

21 सितम्बर 2025

संगीतमय प्रस्तुति में वाद्ययंत्रों ने बिखरे किरवानी के रंग

5 अक्टूबर 2025

नाटक हमारे बापू में प्रेम और अहिंसा का संदेश

12 अक्टूबर 2025

संगीतमय निर्गुण के कबीर की प्रस्तुति में मन लागो यार फकीरी में

26 अक्टूबर 2025

भरतनाट्यम प्रस्तुति शिव मल्हारी

16 अक्टूबर 2025

साहित्य सरिता में वदन शंखधार (बदायूं), उन्नति राधा शर्मा (बरेली), सरिता सिंह (बदायूं), पवन शंखधार (बदायूं), कमलकांत तिवारी (बरेली), कमल सक्सेना (बरेली) ने बिखेरे अपने गीतों और छंदों के फूल

14 सितम्बर 2025

महफिल बज्म ए सुखन में अभिनव अतीक (दिल्ली), अली अब्बास जैदी (हानी बरेलवी), सैय्यद सज्जाद हैदर नक़वी (बरेली), सुल्तान जहां पूरनपुरी (पीलीभीत), जीशान हैदर (बरेली), अभिषेक अग्निहोत्री (बरेली), बिलाल खान बरेलवी

2 नवम्बर 2025

महफिल ए अवध में कथक के भावों में पिरोया रंजिश ही सही का दर्द

9 नवम्बर 2025

नाटक 'हम तुम' में नोकझोंक

16 नवम्बर 2025

नाटक 'अलाना' ने दिया पैसे से ज्यादा प्यार हासिल करने का संदेश

18 दिसम्बर 2025

चतुर्थ 'साहित्य सरिता' में रामू सिंह (शाहजहांपुर), प्रियांशु त्रिपाठी (बीसलपुर), विवेक ठाकुर (शाहजहांपुर), अनीता मौर्या (कानपुर), अभिषेक अनंत (बदायूं) और मुकेश मीत (बरेली)

14 दिसम्बर 2025

नाटक मेरा राजहंस ने किया चिकित्सा व्यवस्था पर तंज

23 नवम्बर 2025

लोक नृत्यों ने रखा परंपराओं को जीवंत

7 दिसम्बर 2025

नाटक सारी रात ने दिखाया शहरी जीवन का अकेलापन

21 दिसम्बर 2025

संगीत और नृत्य की जुगलबंदी में रूहदारियां यानि आत्मा का दरिया आयोजित

15 जनवरी 2026

महफिल बज़्म ए सुखन में अमित शर्मा 'मीत' (बरेली), मो. लईक खान 'फर्रूखाबादी', मिर्जा मख्दूम बेग, डॉ. अनवर वारसी, सुरेंद्र 'नाज़' बदायुंनी, साक्षी शंखधार 'श्रीधा' (बदायू) की उपस्थिति

28 दिसम्बर 2025

नाटक 'बियांड द डेथ' में बदला लेने को आत्मा ने मांगा शरीर

11 जनवरी 2026

महाकवि कालिदास के महाकाव्य 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' का मंचन

25 जनवरी 2026

नाटक 'तिल का ताड़' में अफवाह, दिखावे और झूठ से बचने का संदेश

4 जनवरी 2026

म्यूजिकल सागा: गीत, संगीत और नृत्य की जुगलबंदी में नये वर्ष का स्वागत

18 जनवरी 2026

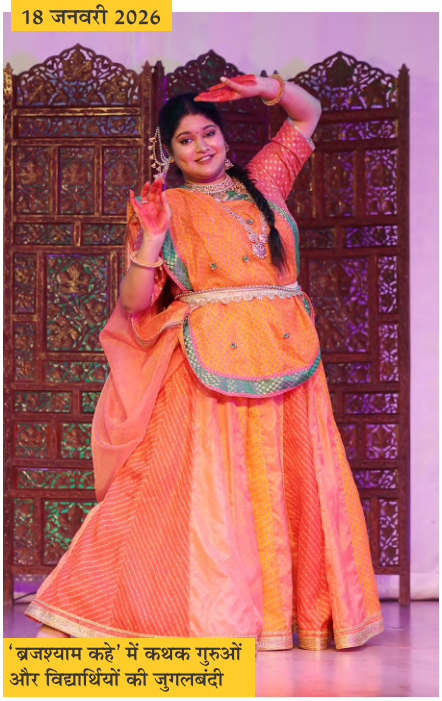

'ब्रजश्याम कहे' में कथक गुरुओं और विद्यार्थियों की जुगलबंदी

नव वर्ष के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी का आह्वान

पूर्णता की ओर चलना ही सफलता का मार्ग

सीईटीआर में हुई वर्ष 2025 की विदाई और आईएमएस में वर्ष 2026 का स्वागत

सीईटी में विदाई समारोह में 2025 की उपलब्धियों के लिए सम्मानित शिक्षक और विद्यार्थी

- रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए विभिन्न संकायों के शिक्षक व विद्यार्थी सम्मानित
- आयुष्मान भारत योजना में पिछले तीन वर्ष से एसआरएमएस टाप 3 में बरकरार
- वर्ष 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए चयनित को प्रदान किया प्रशस्ति पत्र

बरेली: बीते वर्ष 2025 को विदाई देने और नए वर्ष 2026 का स्वागत करने के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से आयोजन हुआ। एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग, टेक्नोलाजी एंड रिसर्च में 31 दिसंबर को हुए विदाई समारोह में वर्ष 2025 की उपलब्धियों का आंकलन हुआ। इसमें वर्ष 2025 में उपलब्धि हासिल करने संकायों के शिक्षकों और विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार के साथ प्रोत्साहन पत्र भी प्रदान किए गए। इसके साथ ही वर्ष 2025 में एक भी अवकाश न लेने वालों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वर्ष 2026 के लिए लक्ष्यों का निर्धारण एसआरएमएस मेडिकल कालेज में नव वर्ष के स्वागत के साथ हुआ। पहली जनवरी को हुए स्वागत समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और कहा कि आप सभी की मेहनत से देश और देश से बाहर भी एसआरएमएस को लोग जानने लगे हैं। यही वजह है कि आयुष्मान भारत योजना में एसआरएमएस मेडिकल कालेज का योगदान लगातार बढ़ रहा है और हम पिछले तीन वर्षों में प्रदेश में टाप 3 में अपना स्थान बनाए हुए हैं। उन्होंने पूर्णता की ओर चलने का आह्वान किया और इसी को सफलता का मार्ग बताया। सीईटीआर में आयोजित विदाई समारोह में देव मूर्ति जी ने पिछले वर्ष ट्रस्ट द्वारा आरंभ की गई शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना का जिक्र किया। जिसमें सभी कालेजों से 14 विद्यार्थी चयनित हुए। फीस के रूप में इन बच्चों को हर वर्ष डेढ़ करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पिछले वर्ष प्रमोशन स्कीम के तहत सात करोड़ रुपये का अनुदान रखा गया था। इसमें पांच करोड़ अब तक खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने पिछले वर्ष ट्रस्ट द्वारा स्टार्टअप के तौर पर आरंभ की गई तीनों कंपनियों का भी जिक्र किया। वेस्ट प्लास्टिक और रैपर्स की मदद से बैग बनाने वाली PIOUS Biasphere Pvt Ltd की जानकारी दी और जल्द ही हैंडलूम की साड़ियों और कपड़े भी बनाए जाने की घोषणा की। मेडिकल कालेज में प्राचार्य एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने सभी का स्वागत किया और पिछले वर्ष की उपलब्धियों के साथ नए वर्ष के लक्ष्यों को निर्धारित करने की बात कही। एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति ने सभी को नव वर्ष की बधाई दी। नए वर्ष में नए लक्ष्यों को हासिल करने की उम्मीद जताई और सभी को आभार जताया। यहां कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी डा.बिंदु गर्ग ने निर्वहन की। सीईटीआर में कालेज के डीन डा.शैलेश सक्सेना ने सभी का स्वागत किया, जबकि संचालन की जिम्मेदारी फैकेल्टी रुचि शाह ने निभाई। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्टी आशा मूर्ति, ऋा मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, देविशा मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, सीईटी के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.मुथ्थु महेश्वरी, पैरामेडिकल कालेज प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, डा.निर्मल यादव, प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार, डीन फार्मेसी डा. अमित कुमार शर्मा, डा. रीता शर्मा, सभी महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष एवं फैकल्टी मौजूद रहे।

सम्बोधन

इन्हें मिला प्रशंसा पत्र

डा.अरविंद कुमार चौहान (प्रो., ओंकोलाजी)

डा.राजीव कुमार (मेडिकल आफिसर, कार्डियक वार्ड)

मुहम्मद मोनिस (मेल नर्स, न्यूरो साइंसेज)

श्याम चरन (मेल नर्स, आईसीयू)

रवि प्रकाश (पीआरओ, कम्युनिटी मेडिसिन)

गणतंत्र दिवस पर मिला सम्मान

ओम प्रकाश (इलेक्ट्रीशियन)

अजय पाल सिंह (सफाईकर्मी) भगवत सरन (वार्ड ब्वाय)

नरेश (वेटर) जगत पाल (ड्राइवर)

अमर सिंह यादव (इलेक्ट्रीशियन) मुनीश (माली)

तसलीम खान (पियन) चमन सिंह (गार्ड)

GLIMPES OF NEW YEAR 2026

Cash Prize and Letter of Appreciation for Research & Development to Faculty & Students for Motivation Under Research Promotion Scheme 2025

Cash Prize and Letter of Appreciation for Research & Development to Faculty & Students for Motivation Under Research Promotion Scheme 2025

--- SRMS CETR ---

1. **Dr. Manvi Mishra** (Associate Professor, CSE Dept, SRMS CETR) awarded with Cash Prize of Rs. 6000 and a certificate for a Book Chapter in International Publication as First Author.
2. **Dr. Ritesh Kr. Tiwari** (Assistant Professor, Pharmacy, SRMS CETR) awarded with Cash Prize of Rs. 3000 and a Certificate for a Book Chapter in International Publication as Co-Author.
3. **Ms. Shipra Sharma** (Assistant Professor, Pharmacy, SRMS CETR) awarded with Cash Prize of Rs. 3000 and a certificate for a Book Chapter in International Publication as Co-Author.
4. **Ms. Sony Singh** (Assistant Professor, Pharmacy, SRMS CETR) awarded with Cash Prize of Rs. 6000 and a certificate for a Book Chapter in International Publication as First Author.
5. **Dr. Shashi Verma** (Associate Professor, Pharmacy, SRMS CETR) awarded with Cash Prize of Rs. 6000 and a certificate for a Book Chapter in International Publication as First Author.
6. **Dr. Manju Rani** (Assistant Professor, Pharmacy SRMS CETR) awarded with Cash Prize of Rs. 6000 and a certificate for a Book Chapter in International Publication as First Author.
7. **Dr. Jyoti Agarwal** (Associate Professor, CSE Dept, SRMS CET) awarded with Cash Prize of Rs. 6000 and a certificate for a Book Chapter in International Publication as First Author.

--- SRMS CET ---

1. **Ms. Anu Saxena** (Assistant Professor, CSE Dept, SRMS CET) awarded with Cash Prize of Rs. 3000 and a certificate for a Book Chapter in International Publication as Co-Author.
2. **Dr. Ravindra Kumar** (Head ME Dept, SRMS CET) awarded with Cash Prize of Rs. 15000 and a Certificate for Research Paper Publication in SCI Journal as First Author.
3. **Dr. Ashish Kumar** (Asst. Professor, ME Dept, SRMS CET) awarded with Cash Prize of Rs. 15000 and a Certificate for Research Paper Publication in SCIE Journal as First Author.
4. **Dr. Satydev** (Assosiate Professor, ME Dept, SRMS CET) awarded with Cash Prize of Rs. 6000 and a Certificate for a Book Chapter in International Publication as First Author.
5. **Dr. Pushpendra Kumar** (Associate Professor, ME Dept, SRMS CET) awarded with Cash Prize of Rs. 11000 and a Certificate for Research Paper Publication in SCIE Journal as Co-Author.
6. **Dr. Krishan Kr. Gupta** (Asst. Professor, Basic Sc, SRMS CET) awarded with Cash Prize of Rs. 11000 and a Certificate for Research Paper Publication in Scopus Journal as First Author.
7. **Dr. Kamalendra Kumar** (Associate Professor, Basic Sc, SRMS CET) awarded with Cash Prize of Rs. 15000 and a Certificate for Research Paper Publication in SCIE/Scopus Journal as First Author.
8. **Dr. Danish Chisti** (Associate Professor, MBA Dept, SRMS CET) awarded with Cash Prize of Rs. 6000 and a certificate for a Book Chapterin International Publicationas First Author.
9. **Dr. Deepak Batra** (Asst. Professor, MBA Dept, SRMS CET) awarded with Cash Prize of Rs. 3000 and a certificate for a Case Study in National Publication as Co-Author

--- SRMS IMS ---

1. **Dr. Manroop Singh** (JR-2, General Surgery) awarded with Cash Prize of Rs. 5000 Letter of Appreciation for 1st Prize in Paper Presentation at Subharti Medical College, Meerut.
2. **Dr. Twarit Jain** (JR-2, General Surgery) awarded with Cash Prize of Rs. 2500 Letter of Appreciation for 2nd Prize in Paper Presentation in 90thAnnual Conference of IMA UP State, Bareilly.
3. **Dr. Yogita Suri** (JR-2, General Surgery) awarded with Letter of Appreciation for 1stPrize in Poster Presentation in Standard Practice in Breast Oncology, SRMSIMS, Bareilly.
4. **Dr. Vagisha Singh** (JR-2, Gynaecology) awarded with Cash Prize of Rs. 5000 Letter of Appreciation for 1st Prize in Paper Presentation in 1st Obstetrics & Gynaecology Update 2025 at SRMS IMS, Bareilly.
5. **Dr. Yashaswini Gera** (JR-2, Gynaecology) awarded with Cash Prize of Rs. 2500 Letter of Appreciations for 2ndPrize in Paper Presentation and 2ndPrize in Quiz in 1st Obstetrics & Gynaecology Update 2025at SRMS IMS, Bareilly.
6. **Dr. Vagisha Singh** (JR-2, Paediatrics) awarded with Cash Prize of Rs. 5000 Letter of Appreciation for 1st Prize in Paper Presentation in PEDICON 2025 at Greater Noida.
7. **Dr. Cheerla Suresh** (JR-1, Paediatrics) awarded with Cash Prize of Rs.5000 Letter of Appreciation for 1st Prize in Paper Presentation in 1st Obstetrics & Gynaecology Update 2025 at SRMS IMS, Bareilly.
8. **Dr. Shihij Chaku** (JR-3, Pathology) awarded with Cash Prize of Rs. 2500 and Letter of Appreciation for Non-Thesis Publication.
9. **Dr. Pankaj Chauhan** (JR-2, Pathology) awarded with Cash Prize of Rs. 5000 Letter of Appreciation for 1st Prize in Paper Presentation in RAMP CME 2025.
10. **Dr. Prerna Garg** (JR-2, Pathology) awarded with Cash Prize of Rs. 2500 Letter of Appreciation for 2nd Prize in Paper Presentation in GPU 2025.
11. **Dr. Akansha Ohri** (JR-2, Psychiatry) awarded with Cash Prize of Rs. 2500 and Letter of Appreciation for Non-Thesis Publicationin Scopus Index Journal.
12. **Dr. Archit Awasthi** (JR-1, Psychiatry) awarded with Letter of Appreciation for 1st Prize in Poster Presentation in Psycho Dermatology Sangam (CME) at SRMSIMS, Bareilly.
13. **Dr. Ashi Goel** (JR-2, Radio diagnosis) awarded with Cash Prize of Rs. 2500 and Letter of Appreciation for Non-Thesis Publicationin International Journal.
14. **Dr. Tanya Gupta** (JR-2, Dermatology) awarded with Cash Prize of Rs.2500 and Letter of Appreciation for 2ndPrize in Paper Presentation at AIIMS Gorakhpur.
15. **Dr. Kritika Chabra** (JR-1, General Medicine) awarded with Letter of Appreciation for 1st Prize in Poster Presentation in 1st WOPICON 2025 at SRMSIMS, Bareilly.
16. **Dr. Nitin Shanker Malviya** (JR-2, Radiation Oncology) awarded with Letter of Appreciation for 1st Prize in Poster Presentation in 1st Obstetrics & Gynaecology Update 2025 at SRMS IMS, Bareilly.
17. **Dr. Mehak Goyal** (JR-2, Respiratory Medicine) awarded with Letter of Appreciation for 2nd Prize in Poster Presentation at Kaushambi, Ghaziabad.
18. **Dr. Dhariya Malik** (JR-2, E.N.T.) awarded with Letter of Appreciation for 2nd Prize in Poster Presentation in CME Shimla.
19. **Dr. Vidushi Bansal** (JR-2, E.N.T.) awarded with Letter of Appreciation for 2nd Prize in Poster Presentation and 2nd Prize in Quiz in SEOCON, Pune
20. **Dr. Gautam Tanisha Vivek Malik** (JR-1, E.N.T.) awarded with Letter of Appreciation for 1st Prize in Poster Presentation in Rhino CON, Chennai.
21. **Dr. Akansha Vaish** (JR-2, Ophthalmology) awarded with Letter of Appreciation for 2nd Prize in Poster Presentation at SRMS IMS, bareilly.
22. **Dr. Devendran A** (JR-3, Gynaecology) awarded with Letter of Appreciation for2nd Prize in Quiz at SRMSIMS, Bareilly.
23. **Dr. Vagisha Vaish** (JR-2, Gynaecology) awarded with Letter of Appreciation for1stPrize in Quiz at SRMSIMS, Bareilly.
24. **Dr. Saumya Tayal** (JR-2, Gynaecology) awarded with Letter of Appreciation for1st Prize in Quiz at SRMSIMS, Bareilly.
25. **Dr. Shivani Thakur** (JR-2, E.N.T.) awarded with Letter of Appreciation for 2nd Prize in Quiz in SEOCON, Pune.
26. **Dr. Varun Kumar Upadhyay** (JR-2, Ophthalmology) awarded with Letter of Appreciation for 2nd Prize in Quiz in UPSOS Annual Conf. at Gorakhpur.
27. **Dr. Farhan Khan** (JR-2, General Medicine) awarded with Letter of Appreciation for 2nd Prize in Quiz in RSSDIPCON 2025 at Agra.
28. **Dr. Shubhra Agarwal** (JR-2, General Medicine) awarded with Letter of Appreciation for 2nd Prize in Quiz in RSSDIPCON 2025 at Agra.

सीईटी में पंचम अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में इंटर्नशिप, इंडस्ट्री विजिट, ट्रेनिंग व रोजगार की पहल

एवरो इंडिया लिमिटेड से हुआ एमओयू हस्ताक्षरित

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित गणमान्य अतिथि

बरेली: डा. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी लखनऊ एवं यूनाइटेड नेशन्स ग्लोबल काम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में मैनेजमेंट साइंस विभाग, एसआरएमएस सीईटी की ओर से दो दिवसीय (11-12 अक्टूबर 2025) पांचवीं अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस आयोजित हुई। इनोवेशन ड्रिवन गवर्नेंस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन द माडर्न एरा आफ एआई विषय पर हुई इस कांफ्रेंस के 7 तकनीकी सत्रों में देश- विदेश के 250 से ज्यादा शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों एवं छात्रों ने हिस्सा लिया। कांफ्रेंस में सौ से ज्यादा शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। इस दौरान श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा स्थापित एवं संचालित संस्थानों एवं एवरो इंडिया लिमिटेड के मध्य एम.ओ.यू. भी हस्ताक्षरित किया गया, जिसके द्वारा छात्रों को इंटर्नशिप, इंडस्ट्री विजिट, ट्रेनिंग एवं रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

एसआरएमएस सीईटी में 11 अक्टूबर को एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी देव मूर्ति जी द्वारा उद्घाटन के बाद पहले दिन संगोष्ठी में इनोवेशन ड्रिवन गवर्नेंस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन माडर्न एरा आफ ए.आई. विषय पर व्याख्यान हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में एवरो इंडिया लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन सुशील अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि के रूप में नई दिल्ली स्थित जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के प्रो. एहतिराम रजा मौजूद रहे। संयुक्त अरब अमीरात के अजमन स्थित होरायजन यूनिवर्सिटी के प्रो. नसीम आबिदी ने मुख्य वक्ता के रूप में आनलाइन मोड से संगोष्ठी को संबोधित किया। तस्मानिया विश्वविद्यालय के मेलबार्न कैंपस के डा. केपिंग ली भी आनलाइन मोड से संगोष्ठी में शामिल हुए। प्रो. एहतिराम रज़ा ने वर्तमान युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समेत अन्य तकनीकों पर अपने विचार रखे और सभी विधाओं के शोधकर्ताओं और छात्रों से आपस में जुड़कर समाज को सतत विकास की दिशा में नवाचार द्वारा सशक्त गवर्नेंस के लिए नए नए हल प्रदान करने का आह्वान किया। सुशील अग्रवाल ने सभी छात्रों एवं शोधकर्ताओं को बांधे रखा और जीवन में सफलता पाने के मूल मंत्रों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने शोधकर्ताओं और छात्रों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार खुद को तैयार करने का संदेश दिया। उन्होंने शीघ्र ही एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से छात्रों के हित में कुछ इंडस्ट्रियल यूनिट्स लगाने की घोषणा की, जिससे छात्र स्टार्टअप लगाने से संबंधित ज्ञान प्राप्त करके देश को एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अपना योगदान दे सकें। इससे पहले कालेज के प्राचार्य डा. प्रभाकर गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं शोधकर्ताओं का स्वागत किया। फैकल्टी आफ मैनेजमेंट साइंस के विभागाध्यक्ष डा. अनुज कुमार ने कान्फ्रेंस के थीम बताई और मौजूदा परिवेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से गवर्नेंस और सतत विकास को सही दिशा देने के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि हम अपने शास्त्रों में वर्णित सिद्धांतों एवं बुद्धिमत्तापरक विचारों को तकनीकों के साथ सशक्त तरीके से पिरो कर ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने रामायण और श्रीमद्भगवदगीता के श्लोकों और चौपाइयों के माध्यम से अपने उदाहरण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में कश्वन्फ्रेंस के संयोजक डा सौरभ गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी, ट्रस्ट प्रशासक प्रोफेसर सुभाष मेहरा, कान्फ्रेंस के सचिव डा. मोहम्मद दानिश चिश्ती, डा. शैलेश सक्सेना, डा.ऋतु सिंह, डश्व. दीपक बत्रा, डा. शोभित सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

कॉन्फ्रेंस में उपस्थित गणमान्य अतिथि एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में हुई प्रथम प्रसूति एवं स्त्री रोग अपडेट कांफ्रेंस

मरीजों के बेहतर इलाज के लिए डाक्टरों का अपडेट रहना जरूरी

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने मानसिक स्वास्थ्य पर दिया विशेष जोर

प्रथम प्रसूति एवं स्त्री रोग अपडेट कांन्फ्रेंस की स्मारिका का विमोचन करती मुख्य अतिथि नूतन जैन, चेयरमैन देव मूर्ति जी व अन्य अतिथि

- कांफ्रेंस में व्याख्यान के लिए नामचीन स्त्रीरोग विशेषज्ञ डा.नूतन जैन का अभिनंदन
- उद्घाटन सत्र में हुआ प्रसूति एवं स्त्री रोग अपडेट 2025 कांफ्रेंस की स्मारिका का विमोचन
- कांफ्रेंस के दो दिन में 6 सत्रों में विभिन्न विषयों के साथ एआई पर भी होगा व्याख्यान
- महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े हर पहलू पर विशेषज्ञों ने दिया व्याख्यान, अनुभव किए साझा

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिवसीय (1-2 नवंबर 2025) प्रथम प्रसूति एवं स्त्री रोग अपडेट 2025 कांफ्रेंस हुई। इसमें देश की नामचीन स्त्रीरोग, आईवीएफ विशेषज्ञ एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन डा.नूतन जैन को कांफ्रेंस में व्याख्यान के लिए सम्मानित किया गया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने उनका अभिनंदन किया। कांफ्रेंस में उद्घाटन सत्र के साथ विभिन्न सत्रों में व्याख्यान के साथ पोस्टर व पेपर प्रेजेंटेशन किए गये। देव मूर्ति जी ने कांफ्रेंस जैसे आयोजनों को जानकारी के आदान प्रदान का महत्वपूर्ण जरिया बताया। उन्होंने कहा कि इससे कांफ्रेंस, सीएमई और वर्कशाप इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रथम प्रसूति एवं स्त्री रोग अपडेट 2025 कांफ्रेंस में आज भी चिकित्सकों और मेडिकल के विद्यार्थियों को बहुत कुछ सीखने को मिला। सभी अतिथियों ने उद्घाटन सत्र में कांफ्रेंस की स्मारिका का भी विमोचन किया।

डॉ. नूतन जैन को स्मृति चिहन देते देव मूर्ति जी

बरेली आब्स्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलाजी सोसायटी के सहयोग से एसआरएमएस मेडिकल कालेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की ओर से आयोजित प्रथम प्रसूति एवं स्त्री रोग अपडेट 2025 कांफ्रेंस के पहले दिन (1 नवंबर 2025) उद्घाटन सत्र में चेयरमैन देव मूर्ति जी ने वर्धमान ट्रामा एवं लैप्रोस्कोपिक सेंटर मुजफ्फरनगर की डायरेक्टर एवं कांफ्रेंस की मुख्य अतिथि डा.नूतन जैन को उनके व्याख्यान के लिए सम्मानित किया। देव मूर्ति जी ने मेडिकल साइंस में लगातार बदलाव की बात कही और अत्याधुनिक रिसर्च और तकनीक को जानना और अपडेट रहने पर जोर दिया। कहा कि तभी मरीजों का बेहतर इलाज संभव है। उन्होंने अन्य बीमारियों की तरह ही मानसिक स्वास्थ्य के इलाज पर विशेष ध्यान आकर्षित किया। कहा कि भूत-प्रेत और झाड़-फूंक के बीच डिप्रेशन के शिकार अस्पताल नहीं पहुंचते। ऐसे में उनका मानसिक स्वास्थ्य और भी खराब होता जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए एसआरएमएस मेडिकल कालेज ने ग्रामीण क्षेत्रों में हेल्थ कुंडली बनाने का काम शुरू किया है। अब तक 50 हजार लोगों से ज्यादा की हेल्थ कुंडली बनाई जा चुकी है। जिसमें 14 हजार लोग डिप्रेशन के मिले। अस्पताल लाकर इन सभी का इलाज किया जा रहा है। इससे पहले दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से आरंभ हुए उद्घाटन सत्र में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष व कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.शशि बाला आर्य ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कांफ्रेंस की थीम भ्रूण से स्वस्थ वृद्धावस्था को स्पष्ट किया। कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने कालेज की उपलब्धियों और एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा संचालित सामाजिक योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कांफ्रेंस को सीखने का सुनहरा मौका बताया। उन्होंने एसआरएमएस में जल्द ही बोन मैरो ट्रांसप्लांट शुरू होने का भरोसा दिलाया। डा.नूतन जैन ने चिकित्सा शिक्षा में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को सर्वश्रेष्ठ मेडिकल कालेज बताया। कहा कि हेल्थ और रिसर्च में एसआरएमएस मेडिकल कालेज में बेहतरीन काम हो रहा है। निर्बल वर्ग और निचले तबके के उत्थान के लिए यहां संचालित योजनाएं समाज के विकास में योगदान दे रही हैं। इसके लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज प्रबंधन बधाई का पात्र है। उद्घाटन सत्र के अंत में कांफ्रेंस की आर्गनिजिंग

सेक्रेटरी डा.मृदु सिन्हा ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन डा.पारुल महेश्वरी ने किया। इस अवसर पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, गुडलाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर सुभाष मेहरा, आईएमए यूपी स्टेट के प्रेसीडेंट डा.रवीश अग्रवाल, बरेली आब्स्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलाजी सोसायटी की प्रेसीडेंट डा.लतिका अग्रवाल, आर्गनाइजिंग कमेटी की को-चेयरपर्सन डा.नमिता अग्रवाल और डा.मनोज टांगड़ी, कांफ्रेंस की आर्गनिजिंग सेक्रेटरी डा.मृदु सिन्हा, साइंटिफिक चेयरपर्सन डा.रुचिका गोयल, डा.निर्मल यादव, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा. आरपी सिंह, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सभी विभागाध्यक्ष, पीजी स्टूडेंट, कमेटी के अन्य सदस्य और एडवाइजरी बोर्ड के सभी सदस्य मौजूद रहे। कांफ्रेंस में डा.भारती सरन, डा.मधुलिका शुक्ला, डा.शालिनी महेश्वरी, डा.दरक्शां अब्बास, डा.वंदना नेगी, डा.रंजना गुप्ता, डा.रश्मि प्रसाद, डा.अनीता नाथ, डा.शिल्पी सिंह, डा.नम्रता अग्रवाल, डा.गीता कार्की, डा. गोदावरी जोशी,डा.मृदुला शर्मा, डा.कायत्री सिंह, डा.एसके सागर, डा.ब्रजेश अग्रवाल, डा.प्रगति अग्रवाल, डा.शोभा मुखर्जी, डा.सीमा सरन, डा.महिमा रानी मौर्या, डा.दीपा टंडन, डा.जया भारती, डा. दिव्या अग्रवाल, डा.श्रुति अग्रवाल, डा. प्रज्ञा मिश्रा, डा.ज्योति बघेल, डा.आयुषि शुक्ला, कमेटी के अन्य सदस्य, एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य और पीजी स्टूडेंट मौजूद रहे।

कांफ्रेंस में इन विशेषज्ञों ने दिया व्याख्यान: एसजीपीजीआई लखनऊ के डा.अनुपम वर्मा और एलएलआरएम मेरठ की डा.रचना चौधरी के गंभीर प्रसूति विज्ञान में हर निर्णय महत्वपूर्ण और हर क्षण का महत्व पर व्याख्यान से कांफ्रेंस आरंभ हुई। पहले दिन कांफ्रेंस की मुख्य अतिथि डा.नूतन जैन, इंडियन फर्टिलिटी सोसायटी के प्रेसीडेंट कर्नल डा.पंकज तलवार, दिल्ली की डा.एम गौर्वी देवी, डा. ऋतु खन्ना, डा.नीना मेहरोत्रा, डा.वंदना जैन, यूपीसीओजी की सेक्रेटरी डा.भारती महेश्वरी और डा.आस्था अग्रवाल ने ने व्याख्यान दिया। कांफ्रेंस के दूसरे दिन एसजीपीजीआई चंडीगढ़ की डा.इंदु लता, डा.अपाला प्रियदर्शिनी, डा.आयशा अहमद, डा.निधि, मेजर जर्नल डा.किशन कपूर, डा.अरुणा निगम, गायनी ओंकोलाजिस्ट डा.मनोज टांगड़ी ने व्याख्यान दिया। डा.आर के मिश्रा ने वर्चुअल रूप से गायनेकोलाजी में रोबोटिक सर्जरी का विकास, कांसेप्ट और क्लीनिकल प्रेक्टिस पर अपना व्याख्यान दिया।

मेडिकल कालेज में साइबर क्राइम कार्यशाला में बोले एसपी सिटी मानुष पारीक

...ध्यान रहे, सोशल मीडिया न करे हमारा इस्तेमाल

साइबर क्राइम कार्यशाला में जानकारी देते एसपी सिटी मानुष पारीक

एसपी सिटी मानुष पारीक के टिप्स

सोशल प्लेटफार्म्स पर कभी सार्वजनिक न करें अपनी प्राइवेसी
जितना संभव हो शीघ्र और आनलाइन दें अपराध की सूचना
रात में इंटरनेट बंद करने के साथ मोबाइल फोन भी करें बंद
सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी प्रोफाइल को पब्लिक न करें
कभी भी किसी भी अनजान वीडियो काल को एक्सेप्ट न करें
कहीं भी सार्वजनिक वाईफाई का इस्तेमाल करने से करें परहेज
डाउनलोड करते समय एप प्रोवाइडर को न दें अपनी फुल एक्सेस
सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें
हेल्पलाइन 1930 और 1090 पर करें साइबर क्राइम की शिकायत
वेबसाइट Cybercrime-gov-in पर आनलाइन दर्ज कराएं शिकायत

बरेली: एसपी सिटी मानुष पारीक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स का सोच समझ कर इस्तेमाल करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल करें, लेकिन ध्यान रखें कि ये सोशल मीडिया हमारा इस्तेमाल न करें। फ्री में उपलब्ध सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के लिए हमारी प्रोफाइल, हमारा कंटेंट यानी डेटा महत्वपूर्ण है। इसी के जरिये हम साइबर क्राइम का शिकार होते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी प्राइवेसी कभी सार्वजनिक न करें। अपनी हर बात, हर गतिविधि को जानकारी इन प्लेटफार्म पर साझा करने से परहेज करें। फिर भी किसी भी तरह का साइबर क्राइम होने पर 24 घंटे के अंदर हेल्पलाइन नंबर 1930 और 1090 पर इसकी शिकायत करें या Cybercrime-gov-in पर आनलाइन कंप्लेंट करें। सतर्कता से ही साइबर क्राइम से बचा जा सकता है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 17 अक्टूबर 2025 को साइबर क्राइम पर कार्यशाला हुई। इसमें एमबीबीएस के विद्यार्थियों को एसपी सिटी मानुष पारीक ने साइबर क्राइम की जानकारी दी। उन्होंने युवा पीढ़ी सुबह उठते ही सबसे पहले मोबाइल पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म चेक करती है और रात में सोने से पहले तक उसी पर एक्टिव रहती है। इस आभासी दुनिया में आइडियोलाजी और पालिटिक्स के लिए लगातार हैशटैग ट्रेंड होते हैं। जिनका प्रभाव और दुष्प्रभाव दिमाग पर पड़ता है। बिना सोचे समझे किसी भी हैश टैग को लाइक करने, अपनी हर बात, हर गतिविधियों को जानकारी इन प्लेटफार्म पर साझा करने और अपनी प्राइवेसी सार्वजनिक करने से साइबर क्राइम का शिकार होने की आशंका बढ़ जाती है। साइबर अपराधी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सबसे ज्यादा सक्रिय हैं। ये क्राइम ये पिग बुचरिंग, साइबर बुलिंग, साइबर स्टाकिंग, साइबर एक्सटार्शन, डिजिटल अरेस्ट जैसे रूप में होता है। इससे बचने के लिए जागरूकता सबसे जरूरी है। अपने नाम, जन्मतिथि पर आधारित पासवर्ड न बनाएं। समय समय पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स को अपडेट करते रहें। किसी भी एप्लिकेशन को डाउनलोड करते समय एप प्रोवाइडर को मोबाइल की फुल एक्सेस न दें। अपनी गैलरी, कांटैक्स, माइक और कैमरे का एक्सिस भी न दें। टू फैक्टर वेरिफिकेशन अपडेट करें। कोई भी अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें। अनजान लोगों के साइबर अपराधी होने की आशंका ज्यादा होती है। एसपी सिटी ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म के अकाउंट सेटिंग में जाकर बदलाव करें और अपनी प्रोफाइल को पब्लिक के लिए ओपन न करें। अपनी लोकेशन सार्वजनिक न करें। अनजान वीडियो काल को एक्सेप्ट न करें। सार्वजनिक वाईफाई के इस्तेमाल से परहेज करें। रात में सोने से पहले घर का वाईफाई बंद करें और मोबाइल का इंटरनेट भी आफ कर दें। संभव हो तो मोबाइल भी स्विच आफ करें तो ज्यादा बेहतर। साइबर अपराधी आपका नाम, फोन नंबर और आधार का इस्तेमाल कर के जरिये फ्राड को अंजाम देते हैं। ऐसे में ओटीपी शेयर न करें। सबसे बड़ी बात सोशल मीडिया हाइजीन को समझें। अपनी हर बात, दुख दर्द, खुशी, हर गतिविधि को जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साझा न करें। एसपी सिटी मानुष पारीक ने लड़कियों को साइबर स्टाकिंग से सावधान किया। कहा कि किसी को भी वीडियो और फोटो कभी शेयर न करें। अश्लील साइट पर फोटो या वीडियो होने पर डरें नहीं। इसकी शिकायत साइबर क्राइम थाने में या dmca-com साइट पर आन लाइन करें। फेक सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाने की शिकायत भी वायलेशन आफ प्राइवेसी की वेबसाइट पर की जा सकती है। किसी भी तरह का साइबर क्राइम होने पर 24 घंटे के अंदर हेल्पलाइन नंबर 1930 और 1090 पर इसकी शिकायत करें या Cybercrime-gov-in पर आनलाइन कंप्लेंट करें। कार्यशाला में कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने एसपी सिटी मानुष पारीक का स्वागत किया और स्मृति चिह्न प्रदान किया। इस मौके पर डीन यूजी डा. बिंदु गर्ग, डा.समता तिवारी, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, विनीत शर्मा मौजूद रहे।

एसपी मानुष पारीक को स्मृति चिह्न देते डा. बुटोला

आत्म हत्या के कारणों एवं रोकथाम पर चर्चा

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस: आत्महत्या के कारणों, रोकथाम और जीवन का संदेश

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 10 सितंबर 2025 को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया गया। मानसिक रोग विभाग की ओर से इस कार्यक्रम में आत्महत्या के कारणों, उसे रोकने की जानकारी दी गई। विभाग के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से जीवन के अनमोल होने और हर समस्या के समाधान का संदेश दिया। इस मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी ने मानसिक रोगों का समय से उपचार पर जोर दिया और मानसिक रोगों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पुस्तिका का भी विमोचन किया। प्रोफेसर (डा.) दीपक चरन ने आत्महत्या के बढ़ने की वजहों के साथ इसकी रोकथाम पर सुझाव भी दिए। मानसिक रोग विभाग के विद्यार्थियों डा.रिया कंसल, डा.आस्था बंसल, डा.अर्चित अवस्थी, डा.शिवानी राना, डा.गरिमा सिंह और डा.आदर्श कुमार ने नुक्कड़ नाटक के जरिये नौकरी न मिलने से परेशान एक नौजवान के तनाव, परिवार की भूमिका और परस्पर लगाव का मंचन किया। और पारिवारिक सहयोग, अपनत्व के साथ ही काउंसलिंग की जरूरत का संदेश दिया। कार्यक्रम की कोआर्डिनेटर डा.सुप्रिया डीसिल्वा और डा.मनाली साहू ने आत्महत्या के बढ़ते मामलों के साथ तनाव, अवसाद, दुख, सामाजिक दबाव जैसे इसके कारणों, लक्षणों को भी बताया और इसके रोकथाम के तरीकों को भी बताया। इस अवसर पर डा.आयुष गगनेजा, डा.प्रज्ञा, डा.प्रेरणा, डा.पनकिल, डा.आशी, डा.शिखा, डा.रूपाली, अजेता और अर्चना मौजूद रहे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस: तांत्रिक और ओझा के बजाय मनोरोग विशेषज्ञ से उपचार

बरेली: 10 अक्टूबर 2025 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज में मानसिक रोग विभाग की ओर से जागरूकता कार्यक्रम हुआ। मानसिक रोग विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर (डा.) पीके परडल ने तनाव (स्ट्रेस), चिंता (एंजाइटी), अवसाद (डिप्रेशन), मन की थकान (मेंटल फटीक), उदासी (सैडनेस) जैसी आम परेशानियों के गंभीर होकर मानसिक विकारों में बदलने की बात कही। उन्होंने कहा कि मानसिक रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। प्रोफेसर (डा.) दीपक चरन ने विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की जानकारी दी और तेजी से बढ़ने की वजहों के साथ रोकथाम के सुझाव भी दिए। मानसिक रोग विभाग के विद्यार्थियों आकाश सिंह, अमन कुमार चौरसिया, अनुष्का श्रीवास्तव, अनुश्री श्रीवास्तव, देवांश अरोरा, निधि साहू, नियति, राघव मिश्रा, शिवांक अरोरा, तानिया और बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों अनुपम यादव, मंदवी श्रीवास्तव, स्नेहा पाठक, अभिषेक मौर्य, वासिब अली, भरत राज ने नुक्कड़ नाटक के जरिये अवसादग्रस्त एक नौजवान के तांत्रिकों और ओझाओं के बजाय मनोरोग विशेषत्रों से उपचार का संदेश दिया। इस अवसर पर मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी, प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, डा.शरद जौहरी, डा.वंदना नेगी, डा.तनु अग्रवाल, डा.मनोज गुप्ता, डा.शिखा, डा.सुप्रिया, डा.रूपाली, डा.मनाली, डा.आयुष, डा.पनकिल, डा.प्रज्ञा, डा.प्रेरणा, डा.आस्था, डा.गरिमा, डा.अर्चित, डा.रिया, क्लिनिकल साइकोलाजिस्ट अजेता और अर्चना मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक से किया गया जागरूक

नर्सिंग कॉलेज में शपथ लेते बीएससी नर्सिंग, जीएनएम व एएनएम के विद्यार्थी व उपस्थित गणमान्य अतिथि एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी

लैम्प लाइटिंग एंड ओथ सेरेमनी

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ नर्सिंग में 19 नवंबर 2025 को लैम्प लाइटिंग एंड ओथ सेरेमनी हुई। बीएससी नर्सिंग के नौवें बैच, जीएनएम के 20वें बैच और एएनएम नर्सिंग के आठवें बैच के विद्यार्थियों ने लेडी विद द लैंप नाम से विख्यात फ्लोरेंस नाइटिंगेल से प्रेरणा लेते हुए मानव सेवा की शपथ ली। मुख्य अतिथि मिलिट्री हास्पिटल बरेली की डिप्टी प्रिंसिपल मेट्रन लेफ्टिनेंट कर्नल अंकुर चौधरी, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी और ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति जी ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और उन्हें नर्सिंग में सफल होने के टिप्स के साथ मानव सेवा के लिए प्रेरित किया। ओथ सेरेमनी के बाद नए बैच की फ्रेशर पार्टी हुई। जिसमें नर्सिंग के वैभव त्रिपाठी और जीएनएम को मिस्टर फ्रेशर एवं बीएससी नर्सिंग की मेघा भट्ट, जीएनएम की जसलीन कौर और एएनएमए की रंजना को मिस फ्रेशर चुना गया। मिलिट्री हास्पिटल बरेली की डिप्टी प्रिंसिपल मेट्रन लेफ्टिनेंट कर्नल अंकुर चौधरी ने नर्सिंग को निस्वार्थ और मानव सेवा का पेशा बताया। कहा कि यह सिर्फ करियर नहीं है। इसमें बच्चे के जन्म के साथ मरीज के अंतिम समय तक सेवा का अवसर मिलता है। संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने नर्सिंग के प्रोफेशन को मानव सेवा का पेशा बताया। उन्होंने कहा कि यह नर्सिंग दिल और दिमाग का पेशा है। एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति जी ने ओथ सेरेमनी में शामिल सभी विद्यार्थियों और उनके परिजनों को बधाई दी। मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने नाइटिंगेल के बताए रास्ते पर चलने का संदेश दिया। इससे पहले नर्सिंग की प्रिंसिपल डा. मुथु महेश्वरी ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया। नर्सिंग की एसोसिएट प्रोफेसर प्रत्यंचा एच राम ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। अंत में नर्सिंग कालेज की असिस्टेंट प्रोफेसर नीतू के शाजी ने सभी अतिथियों का आभार जताया और धन्यवाद दिया।

सफेद कोट पहन ली चरक की शपथ

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 17 अक्टूबर 2025 को एमबीबीएस 2025 बैच के 200 विद्यार्थियों को चिकित्सकीय पेशे के प्रतीक सफेद कोट को पहनाकर महर्षि चरक की शपथ दिलाई गई। 92 लड़कियों एवं 108 लड़कों ने प्राणि मात्र के दुख दूर करने का संकल्प लिया। व्हाइट कोट सेरेमनी में प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने शपथ दिलाई और इसका सम्मान करने का संदेश दिया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने इस मौके पर टैलेंट हंट की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को भी ट्राफी और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी ने नए विद्यार्थियों का स्वागत किया और कहा कि देश के 12 राज्यों से यहां आए अब आप सब एसआरएमएस परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर सीखने और मरीजों की सेवा का संदेश दिया। प्रिंसिपल डा. बुटोला ने सभी नए विद्यार्थियों का मानवतापूर्ण पेशे में स्वागत किया। व्हाइट कोट सेरेमनी की वजह बताई। उन्होंने कहा कि इस पेशे का प्रतीक सफेद कोट अब आपकी स्किन से कम नहीं। उन्होंने जुनून, सहानुभूति, सतर्कता, विश्वास और जिम्मेदारी जैसे गुणों को श्रेष्ठ चिकित्सक बनने के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि इसके साथ सकारात्मक रहें और अपने शरीर और दिमाग को स्वस्थ रखने का भी संकल्प लें। एमबीबीएस के 5 वर्ष आपके जीवन की आधारशिला हैं और इसे मजबूत बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें। अंत में डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, एसआरएमएस सीईटी के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता, सीईटीआर के डीन डा.शैलेश सक्सेना, आईपीएस की प्रिंसिपल जसप्रीत कौर, नर्सिंग की प्रिंसिपल डा. मुथु महेश्वरी, मैट्रन संतोषी और सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बैच 2023 की विद्यार्थी मोहोर बनर्जी और ईशान खोसला ने किया।

व्हाइट कोट सेरेमनी

गणतंत्र दिवस पर 168 विद्यार्थियों को मिली 51 लाख से ज्यादा की छात्रवृत्ति

SRMS IMS

Scholarship

SRMS IMS

एसआरएमएस ट्रस्ट के बरेली, लखनऊ और उन्नाव स्थित संस्थानों में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सीईटी के 171 विद्यार्थियों को 51 लाख से ज्यादा की छात्रवृत्ति वितरित की गई। एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने बरेली में रिद्धिमा, गुडलाइफ हास्पिटल, सीईटीआर, सीईटी और एसआरएमएस मेडिकल कालेज में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। लखनऊ स्थित संस्थानों में अंबिका मूर्ति जी और प्रोफेसर श्यामल गुप्ता जी, आईबीएस के डीन एकेडमिक डा.तरुण सिंह गंगवार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, सीईटी के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा. मुथु महेश्वरी, सीईटीआर के डीन एकेडेमिक्स डा.शैलेंद्र सक्सेना, डा. आशीष कुमार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी के चित्रों पर श्रद्धांजलि पुष्प अर्पित किए। इस मौके पर मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने कहा कि गणतंत्र दिवस लोकतंत्र में अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन का संदेश देता है। हमें अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी निर्वहन करना चाहिए। यही देश की सबसे बड़ी सेवा है। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह ने सभी का आभार जताया और गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इससे पहले एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एमबीबीएस की छात्राओं ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। इसके बाद पैरामेडिकल और मेडिकल के विद्यार्थियों ने अलग अलग देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर शहीद जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंजीनियरिंग कालेज और मेडिकल कालेज की टीमों के बीच मैत्री क्रिकेट मैच भी खेला गया। इस मौके पर सभी कालेजों के विभिन्न डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष, डीन, डीएसडब्ल्यू, फैकेल्टी मेंबर और स्टाफ मौजूद रहा।

SRMS CET

SRMS CETR

SRMS GOODLIFE

SRMS FIMC

SRMS RIDDHIMA

SRMS IBS

हासिल-ए-मंजिल

जिम्मेदारियों ने दस्तक दी है दरवाजे पर हमने भी खुशियों को समेट लिया है!
और कैसे वो लड़का बड़ा न होता मां की आंखों में आंसू देख लिया है!
और ये जिंदगी है कोई खेल नहीं सो हमने भी कदम सोचकर चलना सीख लिया है!
और जिन हालातों को कल मैं खुशी में उड़ाता था
आज उन्हीं हालातों से जीना सीख लिया है!
और अब बातें कमए ज्यादा काम करना है हर हार को जीत का अंजाम करना है!
और खुशियों को जेब में रखकर चल सकूं
मुझे ऐसे भी हासिल मकाम करना है

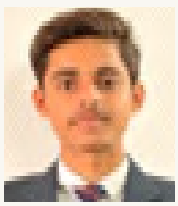

- Prateek Tiwari
BBA, 1st Year
SRMS IBS

One Who Never Gave Up

There was a boy who believed, life follows straight roads - until his own took a thousand turns. He had dreams larger than countries, but life tested him with silence. After 10th, the light dimmed - new school, new chaos, new loneliness. Marks fell, plans broke, and confidence scattered like chalk dust. He took drops not out of weakness, but because his faith refused to die. While others had mentors, he had self-belief. While others studied in classrooms, he studied himself. Days in a new city in drop year passed like slow storms - empty rooms, exam sheets, temples, tears. When even gods stayed silent, he learned to pray through persistence. He failed, yet found meaning in every failure. One day, he realized destiny isn't written by results - it's written by resilience.

So he built new plans, found new paths - a new route, many goals, and the same fire. Because dreams like his, don't break - they bend until they shine again. He says..."Maybe I didn't clear the exam, but I cleared the darkness that stopped me."

And that's how the boy, who once lost direction, began rewriting his own map - one sunrise at a time.

- Shivansh Mishra
BBA 1st year,
SRMS IBS

Lifestyle and Personal Growth

A balanced lifestyle is the foundation for personal growth. The way we live-our daily routines, choices, and habits-shapes not only our physical health but also our emotional and mental well-being. Cultivating a healthy lifestyle means aligning our actions with our goals and values. Personal growth begins when we consciously decide to learn, adapt, and improve. It involves self-awareness, resilience, and the courage to step outside our comfort zone.

By setting meaningful goals, practicing mindfulness, and nurturing positive relationships, individuals can experience genuine progress in all areas of life. Ultimately, lifestyle and personal growth are deeply connected. When we make intentional choices about how we live, we create space for continuous learning, fulfilment, and purpose.

- Jatin Patel, BBA,
1st Year, SRMS IBS

Social Life is Good Life .....Until You Don't Give All Your Time or Heart to It

For me, social life is very important because it keeps us connected with people and helps us share our thoughts. But I also feel that nowadays, many people are losing the real meaning of it. We spend so much time on phones and social media that we forget to live real moments. What we see online looks perfect, but we never know what someone is actually going through behind those posts. I believe real happiness is not about getting likes or followers. It is about being with people who really care for us. When I sit with my friends or family, talk freely, and laugh together, that gives me more peace than using my phone. A real smile and a small moment of love feel much better than any emoji.

According to me, social media is not bad, but it should be used wisely. We should give more time to people who are around us, not just the ones on our screens. Real life, real love, and real memories are what make life beautiful - and those moments stay with us forever.

- Azmee Sayeed
MBA 1st year
SRMS IBS

Bridging the Gap: How Students Use Tech to Solve Real-Life Problems

For a long time, student life was mostly about books and theory. However, the rise of modern technology has changed the game. Today's students are no longer just "learners"-they are becoming "problem solvers" using digital tools to tackle real-life challenges.

The beauty of technology lies in its ability to make solutions accessible. A great example is the rise of student-led "Agri-Tech" startups in India. Many students have developed mobile platforms that provide farmers with real-time weather updates and market prices. This solves the real-life problem of middleman exploitation, ensuring farmers get a fair price for their crops.

There is also a disadvantage of over-reliance on tools. Students may become overly dependent on digital tools to solve problems, reducing their ability to think critically or engage in traditional research.

In conclusion, technology is a powerful tool, but it is the student's empathy that gives it purpose. When we use tech to fix real-life struggles, we move beyond being just students-we become the leaders of tomorrow.

Atishay Jain, MBA
1st Year, SRMS IBS

Sakshi Gupta, MBA
1st Year, SRMS IBS

'नवप्रभात'

अरुणिम उषा-सा जीवन जागृत, पावन प्रभामय पंथ महान,
चल मानव! निज तेज समेटे, कर दृढ़ संकल्पों का अभियान।

क्षणभंगुर छाया से क्या भय, जब अंतर में ज्योति अपार,
स्वयं प्रदीप्त बनो ऐसे तुम, हो आलोकित यह संसार।

जब घनघोर विपदाएँ घेरें, मत होने देना मन अधीर,
शैल शिखर-सा अचल रहो तुम, बनो स्वयं साहस के नीर।

पतझर के पश्चात सुमन फिर मधुवन में हँसने आते हैं,
विपदा की तमसी सीमाएँ नव प्रभात से मिट जाते हैं।

निज पुरुषार्थों का रथ साधो, कर्मक्षेत्र में बढ़ते जाओ,
भाग्य स्वयं चरणों में आकर विजय-मुकुट फिर पहनाएगा।

जो निज श्रम से पथ गढ़ता है, वह युग का शिल्पी कहलाता,
उसके चरण-चिन्हों पर चलकर जन-जन नव इतिहास बनाता।

करुणा, प्रेम, शुचिता, सेवा से जीवन को सुगंधित करना,
मानवता के मधुर उपवन में अमृत-कुसुम सम विकसित होना।

यह जीवन देवालय पावन, इसमें मलिन विचार न लाना,
हे तरुण उठो, जागो, बढ़ चलो, निज गौरव जग में फैलाना।

डॉ. वैभव श्रीवास्तव
असिस्टेंट प्रोफेसर
एसआरएमएस, आईबीएस

The Art of Leaving

Ash, a 20 year old from Kochi, raised by a single mother lost his father more than a decade ago to cancer. Sometimes life isn't very humble to everyone. Deprived of fatherly love he was emotionally very active. However, his mother tried her best to never let him feel his father's absence. Krishna, his best friend lived just opposite from the very beginning. From all the ups to the downs that Ash had gone through, Krishna was always the pillar of support for him. Until one day things changed drastically. Krishna's father was seriously ill and was admitted to the hospital. As Ash heard this he rushed to see him. He was lying on a bed immobile and felt inanimate. Both Krishna and his mother were despondent. This triggered Ash of his past and he was speechless. After gathering all his strength he tried to console them. "What happened?" he asked. "He will be better soon". "Watch after aunty", till now Krishna hadn't even muttered. "I know how much your dad means to you, he will be alright."
"No you don't, how can you? Do you even have a father?" Krishna replied. "You will never know what I'm feeling". For a moment Ash acted oblivious. Silence filled the air after what Krishna said. Ash asked "What?"
These lines just questioned the unbreakable bonding, because sometimes it's not the phrases that are spoken, but who speaks them. It's that one tone, one careless word, the one act that makes you silent instead of explaining. Same happened with Ash.
He left, eyes filled with tears, a broken heart with acceptance and a question in heart. "Am I so bad?", "tootey hue dil dosto ke pas jaate hai, magar jo dil dosto se toot jaye wo phir kahan jaaye?" he asked himself. His phone rang, he picked panickly, expecting it to be from Krishna. It was his Mom. "Hello", "Beta uncle kaise hai?"

NO ANSWER.

- Ankush Singh
BBA, 1st Year
SRMS IBS

01 नवंबर 2025-आपराधिक कानून पर जागरूकता

सीईटी बरेली में बरेली एएसपी बरेली शिवम आशुतोष (आईपीएस), एवं एसएचओ भोजीपुरा प्रवीन सोलंकी ने किया जागरूक

25 सितंबर 2025-विश्व फार्मासिस्ट दिवस

सीईटी बरेली के फार्मेसी विभाग ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया

बसंत पंचमी

2 दिसंबर 2025 - कैंपस प्लेसमेंट

सीईटी बरेली में कैंपस प्लेसमेंट के लिए पहुंची विडे अल्फा टेक्नोलाजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

बसंत पंचमी

11 नवंबर 2025 - स्पिक मैके का वोकल कार्यक्रम

सीईटीआर में गायिका विदुषी सुनंदा शर्मा, संगतकार पंडित सुमित मिश्रा और पंडित गोपाल मिश्रा और रिद्धिमा की गुरु प्रियंका ग्वाल ने दी प्रस्तुति

27 सितंबर 2025-डांडिया नाइट

आईबीएस में मैनेजमेंट क्लब ने किया डांडिया नाइट

30-31 जनवरी 2026-सीईटीआर में बेकरी वर्कशाप

सीईटीआर के होटल मैनेजमेंट की ओर से बेकरी वर्कशाप में होटल यूटोपियन लक्स लखनऊ के बेकरी विशेषज्ञ शेफ लव कुश ने दिया प्रशिक्षण

20 सितंबर 2025-फ्रेशर्स पार्टी (एस्पेरांजा 3.0)

आईबीएस के पीजी बैच में अमान खान और इंशा फातिमा एवं यूजी बैच में शिवांश सिंह और आंचल शुक्ला मिस्टर, मिस फ्रेशर्स बने

12-13 नवम्बर 2025-सिल्वर जुबली एल्युमनी मीट

बीटेक (बैच 1996-2000), बीफार्म (बैच 2000-2004), पीजीडीएम, पीजीडीएचएम (बैच 1998-2000) बैच के 85 एलुमनी सपरिवार पहुंचें

28 अक्टूबर 2025-साइबर सिक्योरिटी पर लैक्चर

सीईटी बरेली में को एमसीए (2009-12 बैच) के एल्युमनाई एवं डीएनवी साइबर के मिडिल ईस्ट के हेड आफ एडवाइजर चरित मिश्रा ने साइबर सिक्योरिटी पर लैक्चर दिया

20 दिसंबर 2025-केक मिक्सिंग सेरेमनी

सीईटी बरेली के होटल मैनेजमेंट विभाग ने केक मिक्सिंग सेरेमनी का आयोजन किया

8 सितंबर 2025, आईपीएस

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस आयोजित

7 अक्टूबर 2025 - चेयरमैन सर के साथ संवाद

आईबीएस में विद्यार्थियों के साथ श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने संवाद किया

4 दिसंबर 2025-डायरो ओथ

सीईटी बरेली में डायरो क्लब की नई कमेटी के सदस्यों ने शपथ ली

13 अक्टूबर 2025-एलआईटी-एमयूएन 2025

सीईटी बरेली के साहित्यिक क्लब द्वारा एलआईटी-माडल यूनाइटेड नेशंस के प्रथम संस्करण पर गोष्ठी में विजेता प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

15 सितंबर 2025-इंजीनियर दिवस

सीईटी एवं सीईटीआर बरेली इफको के जी. एम. इंजी. हीरालाल यादव का सम्मान

28 जनवरी 2026-अन्तर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण कार्यशाला

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में CBHI लखनऊ के सहयोग से ICD-11 पर हुई अंतर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण पर कार्यशाला

20 नवंबर 2025-रैंडम आब्जेक्ट एडवरटाइजमेंट चैलेंज

आईबीएस में मैनेजमेंट क्लब की ओर से को 'रैंडम आब्जेक्ट एडवरटाइजमेंट चैलेंज' में एमबीए प्रथम वर्ष के अमन, हिमांशु, साक्षी और आजमी विजेता रहे

8 नवंबर 2025-कंबल वितरण

मेडिकल कालेज के एमबीबीएस 2022 बैच के विद्यार्थियों ने भोजीपुरा के गांव अंबरपुर में ग्रामीणों को 220 से ज्यादा कंबल वितरित किए

14 सितंबर 2025-नर्सिंग यूनिट स्थापित

मेडिकल कालेज में बरेली लेडीज सर्किल 145 और बरेली राउंड टेबल 45 की ओर से को अत्याधुनिक नर्सिंग यूनिट की स्थापना की गई

9 सितंबर 2025 -ट्रेनिंग वर्कशाप

मेडिकल कॉलेज में फार्मेकोविजिलेंस ट्रेनिंग वर्कशाप आयोजित हुई

21-22 नवंबर 2025-एनआईएसएम कार्यशाला

आईबीएस में विवृत्ति कैपिटल के सहयोग से दो दिवसीय एनआईएसएम कार्यशाला हुई

5 सितंबर 2025-शिक्षक दिवस

आईबीएस में शिक्षक दिवस पर संस्थान के डीन अकादमिक्स प्रो. (डा.) तरुण सिंह गंगवार ने सभी को शुभकामनाएं दीं

22 नवंबर 2025-पूल कैंपस

सीईटी बरेली में को टाटा इलेक्ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से पूल कैंपस आयोजित हुआ

11 अक्टूबर 2025-टेक्निकल फैस्ट टैक्नोवेगेंजा

सीईटीआर में टैक्निकल फैस्ट टैक्नोवेगेंजा 2025 में ट्रस्ट के कालेजों सहित बरेली के मैनेजमेंट कालेजों के 400 से ज्यादा विद्यार्थी शामिल हुए

27 सितंबर 2025-वर्ल्ड टूरिज्म डे

होटल मैनेजमेंट विभाग ने विश्व पर्यटरन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया

15 नवंबर 2025-सीईटी में एल्युमनी मीट

सीईटी बरेली में जैस्ट 2025 के दौरान एल्युमनी मीट में वर्ष 1996 से लेकर 2025 बैच के 42 एल्युमनी शामिल हुए

22 नवंबर 2025-टेकफेस्ट (काम्पटेक 2025)

सीईटीआर बरेली में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से टेकफेस्ट (काम्पटेक 2025) इसमें रोशन समर, सोशलव्यू में प्रतिभा पटेल एवं कुशाग्र गुप्ता, बग- बार में अंश अग्रवाल, ई-पोस्टर प्ले में समृद्धि सक्सेना, कोडस्टार्टर में अनुश्री अग्रवाल और कोडमनिया स्पर्धा में अनंत को पहला स्थान मिला

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2003 में तृतीय पुरस्कार प्राप्त कहानी

रिश्तों की सीमा रेखायें

लेखक- कुं स्वदेश सिंह, मकान नं-4, जिला संयुक्त चिकित्सालय, उन्नाव

ये क्या हो गया भगवान ? हँसता-खेलता हमारा घर था, ये किसकी नजर लग गयी ? अब क्या करेंगे हम और किसके सहारे जियेंगे ? मुझे क्यों जिन्दा रहने दिया ? मुझे भी मौत दे दो भगवान। सुबह से ही संजना की माँ अपने पति और बेटे की लाष पर छाती पीट-पीटकर विलाप कर रही थी। संजना मकान के प्रथम तल पर अपने माता-पिता और दो भाइयों के साथ रहती थी। वह बीस वर्शीया मेधावी छात्रा थी। कल रात भूमि तल पर रहने वाले मकान मालिक के घर धमाकेदार विस्फोट हुआ और प्रथम तल की दीवार ढह गयी जिससे हादसा और भी भयानक हो गया था। इस हादसे में संजना के पिता और छोटे भाई की मृत्यु हो गयी और माँ तथा बड़े भाई को भी कुछ चोटें आयीं। संजना अभी अस्पताल मे भर्ती थी। पुलिस, फायर ब्रिगेड, स्वयंसेवी संस्थाओं की गाड़ियों का आना-जाना लगा था। राहत कार्य तेजी से चल रहा था। सभी उस मनहूस रात को कोस रहे थे। क्षेत्र के विधायक मृतकों को दस-दस हजार तथा घायलों को पांच-पांच हजार रुपये देने की घोशणा कर चुके थे। कुल मिलाकर अगले दिन के लिए संवाददाताओं को समाचार-पत्र में लम्बी-चौंड़ी जगह भरने वाली खबर मिल गयी थी। चीख-पुकार, विलाप और गाड़ियों की आवाजाही के बीच दोपहर गुजर रही थी। सारे रीति-रिवाज और सारी औपचारिकतायें पूरी कर अपने पिता और छोटे भाई का दाह संस्कार बड़े बेटे अशोक ने कर दिया था। माँ की आँखों के आँसू अभी भी रूक नहीं रहे थे। वो कभी अपने भाग्य को कोसती तो कभी भगवान को।

घर के रिश्तेदारों का जाने का सिलसिला भी शुरू हो गया था। होनी को कौन टाल सकता है ? भगवान को शायद यही मंजूर था बहन। अभी तो संजना के हाथ पीले करने हैं, दिल छोटा मत करो। जैसे शब्दों से लोग संजना की माँ को ढांढस बंधाने की कोशिश कर रहे थे। पर उन्हें तो सूनी कलाई के साथ पहाड़ सी जिन्दगी काटनी थी। बड़ा बेटा जो प्राइमरी स्कूल में शिक्षक था, इतना नहीं कमा पाता था कि घर को ढंग से चलाया जा सके। फिर संजना का ब्याह भी करना था। अब तो खुद उसके शरीर में इतना दम न था कि कुछ काम धंधा कर पाती। भविष्य के लिए परेषान संजना की माँ यही सब सोच रही थी कि अचानक अशोक दौड़ता हुआ आया और बोला माँ संजना.. ....संजना वह पूरी बात बोल भी न पाया था कि माँ की छाती फिर फटी। बौखलाई सी वह आषोक की तरफ दौड़ी और उसे झंकझोरते हुए बोली क्या हुआ मेरी बेटी को ? अशोक ने माँ को सम्भालते हुए कहा कि घबराओं नहीं। शहर के अच्छे अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है चलो डॉक्टर ने बुलाया है। अस्पताल पहुँचकर पता चला कि संजना के दोनों पैर काट दिए गये थे। माँ तो जैसे यह देख निर्जीव सी हो गयी थी। फटी सी आँखें, जिनकी कोर से आँसू बस लुढ़कने को थे। बिना बाप की लड़की वह भी बिना पैर की और मेरी भी जिन्दगी कब खत्म हो जाये भरोसा नहीं। आखिर क्या होगा इसका ? हे भगवान। क्या बुरा किया था हमने जो ये दिन दिखा दिये। यही सब संजना की माँ सोच रही थी। तभी पीछे से नर्स ने आवाज दी कि मिलने का समय खत्म हो गया। माँ पीछे मुड़ी और आहिस्ता से बुदबुदायी सब कुछ खत्म हो गया बेटी केवल समय ही तो अब शुरू हुआ है। सुख के दिन कटते देर नहीं लगती, दुख का एक-एक पल काटना मुश्किल होता है। नर्स ने संजना की माँ को ढांढस बंधाया और उन्हें दरवाजे तक लाकर छोड़ दिया।

कुछ दिनों बाद संजना अस्पताल से घर आ गयी और कमरे के एक कोने में पड़ी चारपाई पर उसका बसेरा बन गया। दिन-दिन कर दिन बीतने लगे। बूढ़ी माँ से सेवा कराते संजना का दिल पसीज जाता। बूढ़े माँ-बाप का सहारा उनके बच्चे होते हैं पर यह क्या ? यहाँ तो बूढ़ी माँ संजना के लिए दिन-रात खुद को हवन कर रही थी। पिता की मौत को लगभग तीन माह गुजर चुके थे। तभी एक दिन अशोक को अपनी तरक्की की खबर मिली। उसे अपने ही स्कूल में हेडमास्टरी मिल गयी थी। बस फिर क्या था। अशोक के रिष्ते आने लगे और एक ठीक-ठाक लड़की देखकर अशोक की शादी हो गयी। अब घर में आने वाला मेहमान और बढ़ गया था। बस उतरती-चढ़ती रेलगाड़ी अब पटरी पर चलने की कोशिश में लगी थी। जैसे-तैसे घर का खर्च चल जाता था। आजकल की माडर्न लड़कियों को संयुक्त परिवार कहां रास आता है। पति-पत्नी दो खाने वाले और रोटी बनाओं चार की। उसमें भी संजना ऐसी कि उससे काम-धन्धे की उम्मीद नहीं और फिर जिन्दगी भर उसके साथ केवल समेटना। धीरे-धीरे घर में रोज-रोज खट-पट शुरू हो गयी। छोटी-छोटी बात पर संजना की भाभी मुंह फुलाकर बैठ जाती। संजना को भी इतनी समझ तो थी ही कि वह घर के झगड़ों का कारण समझ पाती। कुछ ही दिनों बाद अशोक की पत्नी ने अपने पिता से कहलवाकर अशोक का तबादला दूसरी जगह करा लिया। बस सपत्नीक अशोक ने वहां कमरा लेकर रहना शुरू कर दिया। माँ और बहन को महीने का खर्चा वह भिजवा देता।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2003 में तृतीय पुरस्कार प्राप्त कहानी

पहले तो महीने में आठ-दस बार वह माँ से मिलने आता था। पर बाद में दो-दो महीनें तक कोई खबर नहीं। खर्च भी किसी महीने खुद आकर दे जाता तो कभी किसी से भिजवा देता और किसी-किसी महीने तो खर्च भी नहीं भेजता। अब संजना ने भी कुछ करने की ठान ली थी। उसने शुरूआत कलम-कागज से की। पहले उसने अखबार में व पत्रिकाओं के लिए छोटे-छोटे लेख, गीत, कवितायें और गजलें लिखकर कुछ धन एकत्र किया। इसी बीच स्वतंत्रता दिवस आ गया। उसकी एक रचना जो उस दिन अखबार में प्रकाशित हुई, ने उसे सुर्खियों में ला खड़ा किया। लोग उसे जानने के लिए मचल उठे। आलोचकों और प्रशंसकों ने इस युवा रचनाकार की प्रशंसा के पुल बांध दिये। उसी दिन से संजना के घर लोगों का तांता लग गया। उसने कुछ प्रशंसकों के कहने पर अपना पहला उपन्यास भी पूरा कर लिया। धीरे-धीरे वह साहित्य जगत की एक प्रसिद्ध हस्ती बन गयी। पर गर्मी में शीतल बयार कितनी देर चल सकती है? बूढ़ी माँ पहले बीमार पड़ी और फिर संजना को छोड़ चल बसीं। अब संजना पर तो मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। अशोक को माँ के देहान्त की सूचना देर से मिली जिससे वह क्रिया-कर्म में शामिल न हो पाया। बाद में अशोक जब सपत्नीक घर आया तो संजना अपने आँसू रोक न पायी और भाई के गले से लिपट कर रो पड़ी। जैसे-तैसे अशोक ने उसे संभाला और ढांढस बंधाया। अशोक की बेटी श्रेया जो लगातार संजना के पैरों की तरफ देख रही थी अचानक अपनी माँ से बोल पड़ी कि माँ अब इन्हें खाना कौन खिलाएगा ये तो कुछ कर भी नहीं पाती होंगी? अशोक की पत्नी ने बेटी के मुंह पर हाथ रख दिया और अशोक से चलने के लिए कहा। बेटी को गोद में उठाकर अशोक ने संजना के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा हम आते रहेंगे तुम अपना ख्याल रखना। इतना कहकर अशोक वहां से लौट आया। भाई के मुंह से यह सुनकर संजना तो जैसे ठगी सी रह गयी। अरे मैं तो उठ तक नहीं सकती फिर अपना ख्याल क्या रखूंगी? और घर में अकेले आखिर कैसे रहूंगी? यही सोचते हुए संजना अनायास ही रिश्तो का विश्लेषण करने लगी। क्या एक बड़े भाई का बिना पैरों की बहन के लिए यही फर्ज था और भाभी तो माँ होती है फिर मुझे इस हालत में छोड़कर वह कैसे जा सकती है? ये तो बेहद सिमटा हुआ बेजान सा रिश्ता लग रहा है। जो औपचारिकताओं की ओढ़नी से ढका हुआ है। कितना शक्तिशाली बंधन है, कितनी शक्तिशाली सीमा है जिसने इस रिश्ते को बांध कर रखा है। यहां तो रिश्तों से ज्याद प्रभावी रिश्ते की सीमा रेखा है। कितना अच्छा होता यदि रिश्तों के फर्ज की सीमायें बना दी गयी होतीं और लोग इस फर्ज को समझ पाते। एक रिश्ता माँ से भी होता है। माँ जिसकी झुर्रियाँ भी अपने बच्चे की सेवा करते समय जवान होने लगती हैं। वह कभी नहीं थकती। सचमुच माँ हमेशा माँ होती है। उसके रिश्ते को कोई सीमा कैद नहीं कर सकती। क्योंकि इसे तो सीमाओं के पार भी निभाया जाता है। यही सब सोंचते हुए संजना ने नया उपन्यास लिखने के लिए फिर कलम उठायी। उपन्यास का प्रारम्भ इस प्रकार था- सीमा रेखा शब्द सुनते ही दो देशों को अथवा दो चीजों को अलग करने वाली रेखा का स्वरूप ही आखिर दिमाग में क्यों कौंधता है? यही सीमा रेखा तो दो देषों को जोड़ती है फिर कोई यह क्यों नहीं कहता कि यहाँ पर भारत और बांग्लादेश आपस में जुड़ते हैं? सीमा रेखा देशों को, जगहों को, लोगों को आपस में मिलाती है अलग नहीं करती। शायद लोग जिस तरह अपने रिश्तों की सीमा रेखायें खींचकर रिश्तों के फर्ज से मुक्त हो जाते हैं उसी तरह देशों की सीमा रेखायें भी एक-दूसरे को अलग कर देती होंगी।

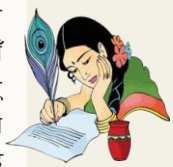

यदि रिश्तों को समझा जाये तो इनकी सीमा रेखायें समझते देर न लगेगी। एक सरल रेखा पर ससुराल पक्ष को रखा जाये और दूसरी सरल रेखा पर मायके को तो दोनों रेखायें समानान्तर रेखाओं की तरह अनन्त तक पहुंच जाती है। पर एक होने का नाम नहीं लेती। ऐसे ही यदि बहू और सास के रिश्तों को दो सरल रेखाओं पर रखें तो स्थिति भिन्न न होगी। बहू अपने रिश्ते तक ही सीमित है। आज बहू नाम से ही पत्नी माँ और सास बन पाती काम से नहीं। क्योंकि माँ बनने के बाद उसका बेटा भी सपत्नीक अलग हो जाता है और वह नाम की ही सास बन पाती है। पर दूर मत जाइये। आज भाई-बहन के ही रिश्ते को लें। दूर होती दूरियाँ किस सीमा तक पहुँच चुकी हैं। आपको नहीं लगता आज हर रिश्ता खुद को समेटने में लगा है, दायरे को कम करने की कोशिश में लगा है। एक रिश्ते से दूसरे रिश्ते की दूरियाँ बढ़ रही हैं। तभी तो हर रिश्ता सीमाओं में बंधा हुआ दिख रहा है। अपने में अपने को कैद किये हुए हैं। कसमसाते हुए। पर माँ के रिश्ते को इस कैद से इस रिश्ते की सीमा से अलग रखना होगा। यूँ ही कुछ उतार-चढ़ाव और झंझावातों से गुजरता हुआ संजना का नया उपन्यास यौवन को प्राप्त कर लगभग पूर्ण होने को था और एक यक्ष प्रश्न के साथ संजना ने उपन्यास की इति कर ठंडी सांस ली। उपन्यास की अंतिम पंक्तियाँ इस प्रकार थीं। मैंने आपके साथ रिश्तों को उनकी सीमा रेखाओं सहित नापा है। मुझे तो यह दम तोड़ते और कराहते हुए ही नजर आ रहे है। जिस तरह सीमा रेखाओं के पार जाने के लिए देशों में ज्वार आता है क्या उसी तरह रिश्तों की सीमा रेखायें भी कभी टूट पायेंगी? क्या परिवारों को जोड़ने वाले रिश्ते बनना षुरू होंगे? आखिर कब आयेगी लोगों को रिश्तों की गहराई से निभाने की समझ? ये पहले मैं करती हूँ पर आप रिश्तों को जोड़ने की श्रृंखला में आगे कब आयेंगे।

समाप्त...

NEW EMPLOYEE

(Till Jan. 2026)

Dr. Deepak Kumar
Professor
Community Medicine
MD (SPM/ COMM. MEDI.)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Sanjay Kumar Rai
Professor
Emergency Medicine
M.S (Ortho)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Shikha Agarwal
Asso. Professor
Psychiatry Deptt.
DNB (Psychiatry),
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Fozia Jamal
Asst. Professor
Biochemistry Deptt.
Ph.D. (Medical Biochem.)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Anil Kumar
Counsultant
Pedia
MD Pediatrics
Hospital, Unnao

Dr. Om Prakash Sharma
EMO
Emergency
MBBS
Hospital, Unnao

Himanshu Gupta
Asst. Professor
MCA Deptt.
SRMMS CET
Bareilly

Mohd Shoab
Asst. Professor
Basic Science
SRMMS CET
Bareilly

Vinay Kumar
Asst. Professor
MCA Deptt.
SRMMS CET
Bareilly

Sunil Sharma
Asst. Professor
MCA Deptt.
SRMMS CET
Bareilly

Nikhil Pandey
Asst. Professor
Computer Science &
Engg. (AI & MI)
SRMMS CET, Bareilly

Ankita Shakya
Asst. Professor
Computer Science &
Engg. (AI & ML)
SRMMS CET, Bareilly

Dheeraj Gupta
Asst. Professor
Information Technology
SRMMS CET
Bareilly

NEW EMPLOYEE

(Till Jan. 2026)

Sadhna Awasthi
Asst. Professor
Basic Science
SRMMS CET
Bareilly

Upendra Kumar
Asst. Professor
Computer Sci & Engg.
SRMMS CET
Bareilly

Priyanka Gauniya
Asst. Professor
B. Pharma
SRMMS CET
Bareilly

Shashwat Sharma
Asst. Professor
BHMCT (Hotel
Manage & Catering Tech)
SRMMS CETR, Bareilly

Harshit Yadav
Asst. Professor
Computer Sci & Engg.
SRMMS CETR
Bareilly

Seema
Accupunturist
Faculty
SRMS Riddhima, Bareilly

Deepkant Jauhari
Faculty
SRMS Riddhima
Bareilly

Ankita Pal
Nursing Tutor
B.Sc Nursing
Nursing College, Unnao

Paritosh Dwivedi
Paramedical Tutor
M.PT
Nursing College, Unnao

PROMOTION

Dr. Shubhra Kumari
Professor, Pathology
SRMS IMS
Bareilly

Dr. Ankit Agarwal
Associate Professor
Forensic Medicine
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Shanu Gupta
Associate Professor
Pathology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Gajendra Pal Singh
Asso. Prof., Anaesthesia
SRMS IMS
Bareilly

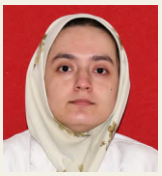

Dr. Shazia Khan
Ass. Prof., Pathology
SRMS IMS
Bareilly

Dr. Nabeela Khanam (PT)
Associate Professor
Bach. of Physiotherapy
SRMS IPS, Bareilly

Akriti Sharma
Assistant Professor
Bach. of Optometry
SRMS IPS, Bareilly

Kalpana Yadav
Assistant Professor
Radiological Imaging Tech.
SRMS IPS, Bareilly

एसआरएमएस
ट्रस्ट के
संस्थानों में संबद्ध
होने वाले सभी
नए एवं
पदोन्नत साथियों को
बधाई एवं
शुभकामनाएं ...

दीपदान

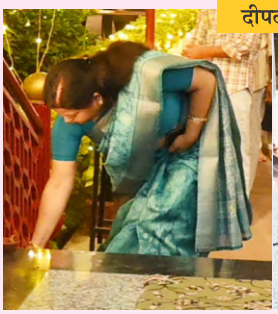

देवोत्थानी एकादशी पर बरेली स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में दीपदान का आयोजन हुआ। इसमें विद्यार्थियों, फैकेल्टी और समस्त स्टाफ ने दीपदान किया।

गौ पूजा

बरेली स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में गोवर्धन पूजा और अन्नकूट के अवसर पर चेयरमैन देव मूर्ति जी ने गौ सेवा की और भोजन कराया

दशहरा मेला

एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से दो अक्टूबर 2025 को विजय दशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। मेडिकल कालेज स्थित मेला ग्राउंड में बुराई के प्रतीक रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों को जलाया गया

विश्वकर्मा पूजा

श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के संस्थानों इंजीनियरिंग कालेज और मेडिकल कालेज में 17 सितंबर 2025 को विश्वकर्मा पूजा का आयोजन हुआ। सीईटी की वर्कशाप में संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने मशीनों एवं औजारों के साथ विश्वकर्मा जी की पूजा की। मैकेनिकल विभाग के छात्र-छात्राओं, मेडिकल के विद्यार्थियों के साथ संस्थान के प्राचार्य डा. प्रभाकर गुप्ता, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट के डायरेक्टर डा. अनुज कुमार, डीन फार्मेसी डा. अमित कुमार शर्मा, मैकेनिकल विभागाध्यक्ष डा. रविन्द्र कुमार, चीफ प्राक्टर इंजीनियर विवेक यादव, डीन स्टूडेन्टस वैलफेयर डा. सौरभ गुप्ता, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं प्रथम वर्ष के छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। सीईटीआर में डीन एकेडेमिक्स डा.शैलेश सक्सेना और स्टाफ उपस्थित रहा। श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में संस्थान के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी ने पूजा अर्चना के साथ हवन किया। उन्होंने मशीनों के उपकरणों की पूजा की। इस अवसर पर ट्रस्ट के सलाहकार इंजीनियर सुभाष मेहरा, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एमएस बुटोला, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.सीएम चतुर्वेदी, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, सभी विभागाध्यक्ष, फैकल्टी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

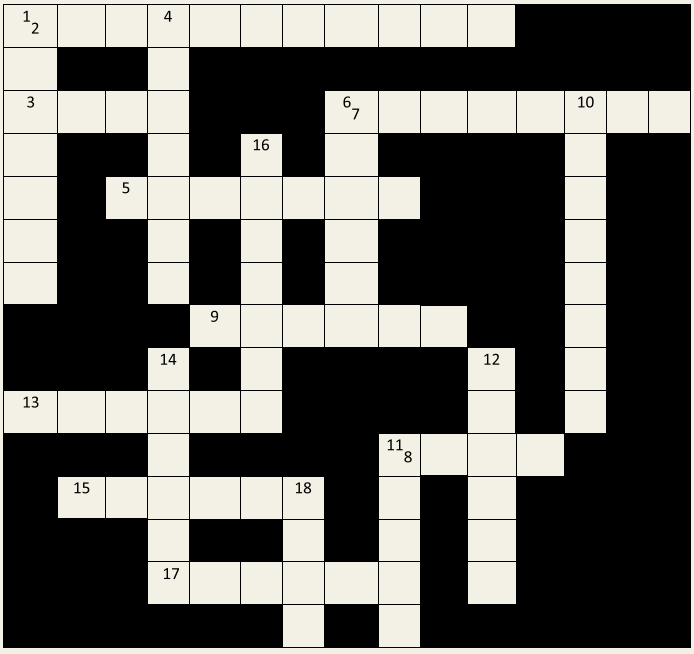

Crosswords No. 37

HORIZONTAL

1. Not a flower, not a cloud, definitely not brain
3. Heart-red root that stains your hand, loved by salads across the land.
5. October's lantern, December's pie
7. You could find me in spas or your sandwich
9. Quick to grow, quicker to sting the tongue
11. Slippery when sliced, delicious when fried
13. Soft-fleshed and seedy- shares its name with a fruit
15. Old-world root that shows up in fables more than feasts
17. The edible enigma: fruit by definition, veggie by tradition

VERTICAL

2. Leafy and layered- often shredded beyond limits
4. Leafy filler in sandwiches
6. Will trigger your nociceptors
8. Chopped often, cried over always
10. Tiny trees on your plate
12. A kitchen essential, offensive to some
14. Often orange, always underground- linked to vision
16. Leafy, green with a reputation built on iron elevation
18. Green, round and quiet- but always in good company

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 37

8				7		5		
		5			4			3
3			1		5		7	
	2			3		9		7
		1					5	
9			7			2		1
		6			8		3	
	3		6				8	5
5		7		9		1		

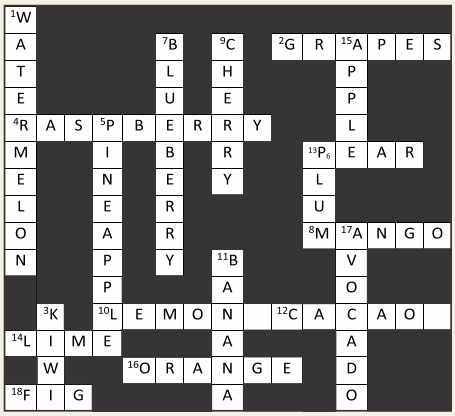

Answer: Crosswords No. 36

7	4	9	2	1	3	6	8	5
2	5	6	7	4	8	9	3	1
3	1	8	6	5	9	2	4	7
5	8	4	9	7	1	3	2	6
6	2	1	4	3	5	7	9	8
9	7	3	8	6	2	1	5	4
4	3	7	5	9	6	8	1	2
1	6	2	3	8	4	5	7	9
8	9	5	1	2	7	4	6	3

Answer: Soduko No. 36

SHRI RAM MURTI SMARAK
COLLEGE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

Bareilly

Approved by AICTE & PCI, New Delhi
Affiliated to Dr. APJAKTU, Lucknow

SRMS

CRAFTING FUTURE-READY LEADERS
Cutting-Edge Skills | Holistic Excellence | Rich Value-Driven Culture

TRANSFORMING DREAMS INTO CAREERS
Career Guidance | Transition Support | Placement Pathways

89% Placements	205+ Recruiters	CTC Upto ₹ 21 LPA

ADMISSIONS OPEN 2026-27

COURSES OFFERED

B.TECH | • CSE • CSE (AI&ML) • CSE (Data Science) • ECE • EN • IT • ME

M.TECH | • CAD&M • CSE • ECE • EE

B.PHARM | **M.PHARM** Pharmaceutics | **BCA** | **MCA**

BBA | **MBA** • Finance • HR • IB • IT • Marketing • Operations

30 YEARS of Academic Excellence

NBA NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION Accredited*

AKTU CODE 014

THE SRMS ADVANTAGES

- ✓ Centre of Excellence in Trending Technologies
- ✓ World-class Sports Infrastructure
- ✓ Industry Demanded Certification Courses
- ✓ Congenial Ecosystem for Startups & Entrepreneurship under SRMS Incubation Cell
- ✓ Stipend Based Industry Sponsored Projects
- ✓ Be Industry Ready through Corporate & Alumni Mentoring

SRMS Tuition Fee Waiver Scheme#

Annual Academic Scholarship worth ₹ 3.5 Crores##

Attractive Entry Level Scholarship up to ₹ 50000/-@

Global Alumni Network of 20500+

CALL US 9458702000, 9458703000

Ram Murti Puram, 13 Km. Bareilly - Nainital Road, Bareilly - 243202 (UP)

admission@srms.ac.in www.srms.ac.in/cet

Visit Website for details | @ Applicable for First year | ## Based on University Result | * MBA Program till 2026-27